केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक
भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 202 शनिवार 15 फरवरी 2025 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

पशुओं से भरी पिकप बरामद, तस्कर फरार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती,। लालगंज थानाक्षेत्र के महादेवा कस्बे में रात करीब दो बजे पुलिस टीम ने पशु तस्करों की घेराबंदी की। तस्कर पिकअप पुलिस टीम पर चढ़ाने की कोशिश करते हुए भागने लगे। पुलिस ने रोकने के लिए पिकअप के टॉयर को निशाना बनाकर फायरिंग की। पिकअप पंचर होने पर तस्कर वाहन छोड़ भाग निकले। एसओजी, लालगंज और कलवारी पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में पशुओं से भरी पिकअप बरामद कर ली गई। बरामद पशुओं को क्षेत्र के शोभनपार गोशाला में पहुंचाने के बाद हत्या के प्रयास, पशु क्रूरता अधिनियम और गोवध अधिनियम के तहत केस दर्ज कर तस्करों की तलाश शुरू कर दी गई है। बताया जा रहा है कि देर रात अचानक फायरिंग की आवाज सुन महोदवा कस्बे के लोग सन्न रह गए। बाद में इसकी जानकारी मिली कि पुलिस टीम ने फायरिंग की है। पुलिस कार्यालय के अनुसार बुधवार रात को एसओजी प्रभारी चंद्रकांत पांडेय को फोरलेन से होकर पशु तस्करों के आने की सूचना मिली। पीछा करने पर तस्करों ने कलवारी रोड पर भागने का प्रयास किया। दूसरी तरफ से कलवारी थानाध्यक्ष जनार्दन प्रसाद टीम के साथ पहुंच गए। वहां से तस्कर पिकअप लेकर महुली रोड पर भागे। फिर थानाध्यक्ष लालगंज ने महादेवा चौराहे पर घेराबंदी की। तस्करों ने आगे पुलिस को पीछे मुड़कर भागने की कोशिश की। तभी थानेदार जर्नादन सिंह व एसओजी की टीम पहुंच गई। तस्करों ने उनके ऊपर पिकअप चढ़ाने की कोशिश की। बचाव में पुलिस कर्मियों ने पिकअप के टॉयर को निशाना बनाकर सात राउंड फायर किया। टॉयर पंचर होने के बाद तस्कर गाड़ी छोड़कर खेतों के रास्ते भाग निकले। पुलिस के अनुसार भागते समय इनमें से एक सदाम का नाम ले रहा था। पिकअप में नंबर प्लेट नहीं है। पुलिस की मानें तो तस्कर पशुओं को बिहार ले जा रहे थे।

मृत मिले 4 गोवंश

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सोनहा थानाक्षेत्र स्थित काजी हाउस के पास मृत मवेशी मिला। भाजपा किसान मोर्चा मंडल अध्यक्ष फूलचंद्र वर्मा ने शिकायत करते हुए बताया कि एक सप्ताह में चार मवेशियों की मौत हो गई है। मौके पर केयर टेकर अनुपस्थित है। यहां पर अव्यवस्था के चलते पशुओं की मौत हो रही है। जिसका नजारा देखने को मिला, जहां पर एक मृत गोवंश का शव कुत्ते नोच रहे थे। इस काजी हाउस को जिला पंचायत ने राज्य वित्त आयोग के धन से 2021 में बनाया था। सल्टौआ गोपालपुर के नाम से बने इस काजी हाउस में पिछले रविवार तक 14 मवेशी संरक्षित थे। गुरुवार को एक मृत मिला, लेकिन काजी हाउस में केवल 10 मवेशी जीवित मिले। तीन अन्य मवेशी लापता हैं, जिन्हें मृत बताया जा रहा है। यहां पर मवेशियों के खाने के लिए केवल भूसा रखा था। इस बावत पशु चिकित्साधिकारी डॉ. विजय श्रीवास्तव ने बताया कि सूचना मिलते ही कर्मचारी को मौके पर भेज कर बीमार पशुओं का इलाज कराया गया। मृत गोवंशों के मौत का कारण पता लगाया जा रहा है। जांच रिपोर्ट के आधार पर अग्रिम कार्रवाई होगी।

शबेबरात पर दिखी रौनक

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। शबेबरात पर शहर से लेकर गांव तक रौनक नजर आई। काफी संख्या में इस्लाम धर्म के अनुयायी कब्रिस्तान, करबला व मजारों पर पहुंचे और अपने बिछुड़े हुए अजीजो व करीबी लोगों की कब्रो पर फातिहा ख्वानी किया। मजारों पर नजराने अखीदत पेश किया। देर रात तक यह सिलसिला जारी रहा। धार्मिक स्थलों पर प्रकाश और सफाई की विशेष व्यवस्था की गई थी। सुरक्षा की दृष्टि से संवेदनशील स्थानों पर पुलिस की तैनाती रही। शहर के कब्रिस्तान तुरकहिया, मूर्णघाट, जिला अस्पताल कर्बला, नरहरिया के साथ विभिन्न मजारों पर अखीदतमंदों के पहुंचने का सिलसिला गुरुवार शाम से ही शुरू हो गया था। मजारों और मस्जिदों को विशेष रूप से सजाया गया था।

पीएम मोदी की अमेरिका यात्रा के बाद फिर अमेरिका से वापस लौटेंगे अवैध प्रवासी

नई दिल्ली (आभा)। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपना अमेरिका दौरा समाप्त कर भारत के लिए रवाना हो चुके हैं। लेकिन पीएम मोदी की अमेरिका यात्रा के बाद अब एक बड़ी खबर सामने आ रही है। अमेरिका की तरफ से एक बार फिर अवैध प्रवासियों की टोली भारत आने को तैयार है। अबकी बार दो जहाजों में भरकर अवैध प्रवासी भारत आ रहे हैं। अमेरिका से निर्वासित 119 भारतीय प्रवासियों को लेकर दो उड़ानें 15 फरवरी और 16 फरवरी को अमृतसर के गुरु राम दास अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचने की उम्मीद है। अधिकारियों ने नाम न छापने की शर्त

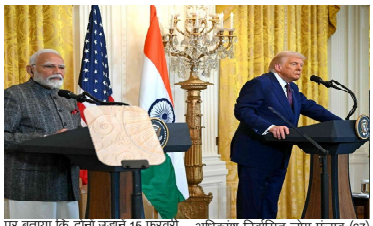

पर बताया कि दोनों उड़ानें 15 फरवरी और 16 फरवरी को रात 10.05 बजे उतरने वाली हैं। उड़ानों में अधिकांश निर्वासित लोग पंजाब (67) बाद हरियाणा (33), गुजरात (8), उत्तर प्रदेश (3), आदि हैं।

कार रेलिंग से टकराई एक की मौतः 4 घायल

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । अयोध्या–बस्ती हाईवे पर एक कार डिवाइडर से टकराकर पलट गई। हादसे के दौरान कार में सवार पांच लोग घायल हो गए। घायलों को सीएचसी कप्तानगंज पहुंचाया गया जहां कार चालक को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। सभी कार सवार ग्राम सेमाडाड़ी थाना सहजनवां, गोरखपुर के रूप में हुई। घायलों की पहचान सूरज साहनी पुत्र देवव्रत, नरेंद्र साहनी पुत्र रामलाल, रवि कुमार पुत्र प्रकाश, हरिकेश पुत्र त्रिलोकी निवासी सेमाडाड़ी के रूप में हुई। कप्तानगंज पुलिस ने ओवरब्रिज से क्षत्रिग्रस्त कार को किनारे कराकर यातायात बहाल कराया। इस बावत घ्रभारी निरीक्षक उपेंद्र मिश्रा ने बताया कि परिजनों को सूचना दी गई है। शव को कब्जे में लेकर मर्चरी भेजवाया गया।

वृद्धा आश्रम बनकटा के 20 सदस्य महाकुंभ दर्शन के लिये रवाना

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। शुक्रवार को वृद्धा आश्रम बनकटा के 20 सदस्य महाकुंभ दर्शन के लिये रवाना हुये। संचालक अतुल कुमार शुक्ल ने हरी झंडी दिखाकर वृद्ध जनों को रवाना किया। कहा कि वृद्धा आश्रम के वृद्ध जनों को त्रिवेणी स्नान कराना पुण्य का कार्य है।

समाज कल्याण विभाग द्वारा अनुदानित किसान सेवा संस्थान के अध्यक्ष अतुल कुमार शुक्ल ने बताया कि महाकुम्भ यात्रा को लेकर ओम प्रकाश तिवारी, संजीव नारंग, बसंत, लक्ष्मण, राम अवध, शांति दूबे, सुभावती आदि सभी वृद्धजन उत्साहित हैं। यात्रा का नेतृत्व वृद्धाश्रम प्रबंधक अजीत कुमार शर्मा कर रहे हैं।

वृद्धजनों की महाकुंभ यात्रा के लिये जिला समाज कल्याण अधिकारी प्रकाश पाण्डेय, प्रधान सहायक विश्वनाथ वर्मा, अम्बिकेश्वर मणि त्रिपाठी, विजय बहादुर, सुमित कुमार, ज्योति उपाध्याय, सच्चिदानन्द श्रीवास्तव, गणेश कुमार चौधरी आदि का विशेष योगदान है।

रवींद्र श्रीवास्तव उर्फ जुगानी भाई का निधन

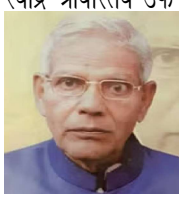

संवाददाता– गोरखपुर ।

भोजपुरी साहित्यकार व आकाशवाणी के पूर्व निदेशक रवींद्र श्रीवास्तव उर्फ जुगानी भाई का शुक्रवार को आवास पर निधन हो गया। राजघाट पर उनका अंतिम संस्कार हुआ। पूर्वी उत्तर प्रदेश के खेत–खलिहानों तक लगभग तीन दशक तक जुगानी भाई की आवाज गूंजती रही। आकाशवाणी गोरखपुर के लिए 500 से अधिक लघु नाटिकाओं का लेखन–निर्देशन किया। उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान से लोकभूषण सम्मान, वर्ष 2013 में आचार्य विद्यानिवास मिश्र स्मृति सम्मान सहित कई सम्मान से नवाजे गए।

परीक्षा से डरे नहीं यह अवसर है–सानू एन्टोनी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। राजन इण्टर नेशनल एकेडमी के प्रधानाचार्य सानू एन्टोनी ने 15 फरवरी से शुरू होने वाली सीबीएसई हाई स्कूल और इण्टर मीडिएट छात्रों को सफलता का मंत्र दिया। कहा कि परीक्षा से डरे नहीं एक अवसर है। वैसे पूरे जीवन में समय–समय पर परीक्षा से गुजरना होता है। छात्र बिल्कुल तनाव न लें, उन्हें पूरी तैयारी करायी गई है और निर्भय होकर परीक्षा देने के साथ ही सर्वाधिक अंक प्राप्त कर एकेडमी और अपने परिवार का गौरव बढ़ाये।

प्रधानाचार्य सानू एन्टोनी ने छात्रों को परीक्षा की तैयारी करते हुये बताया कि सही टाइम टेबल – पढ़ाई का सबसे अच्छा तरीका है ,यह पहले ही तय कर लें कि आपको कब, क्या और कितना पढ़ना है। चाहें तो हर आधे या एक घंटे में 10 से 15 मिनट का ब्रेक लें। इससे दोबारा जब पढ़ाई करने बैठेंगे तो बेहतर तरीके से पढ़ पाएंगे। एक ही बार में ज्यादा से ज्यादा पढ़ने की कोशिश न करें। पहले कठिन विषयों का अध्ययन कर लें उसके बाद आसान चीजों को पढ़ें। धीरे–धीरे पढ़ाई के घंटों को बढ़ाएं लेकिन बीच में ब्रेक जरूरी लें। अगर टाइम टेबल के हिसाब से पढ़ाई होगी तो सभी विषयों पर बराबर ध्यान दे पाएंगे।

प्रबन्ध निदेशिका शिखा चतुर्वेदी ने छात्रों को कलम और गुलाब देकर उनका उत्साहवर्धन किया। कहा कि मानसिक स्वास्थ्य के लिए शरीर को चुस्त–दुरुस्त रखना भी बेहद जरूरी है। इससे दिमाग को ऑक्सीजन सही मात्रा में पहुंचती है, रक्तसंचार बेहतर होता है और वह तेजी से काम करता है। बिना तनाव के सभी प्रश्नों को हल करें।

पुलिस ने संभल में लगवाए 74 संदिग्धों के पोस्टर

संभल (आभा)। जामा मस्जिद के सर्वे के दौरान हुई हिंसा के मामले में योगी सरकार सख्त हो गई है। हिंसा में आरोपित दर्जनों लोगों के अब तक गिरफ्तार नहीं होने पर संभल की पुलिस ने उनके पोस्टर शहर में लगवाना शुरू कर दिया है। पूरे शहर में 74 लोगों के पोस्टर लगाए गए हैं। संभल में 24 नवंबर को मस्जिद के सर्वेक्षण के दौरान हिंसा भड़क गई थी। इसमें पुलिस पर जबदरस्त पथराव और आगजनी हुई थी। गोली लगने से चार युवकों की मौत हो गई थी। हालांकि पुलिस

ने गोली चलाने या उनकी गोली से युवकों की मौत की बात से इनकार किया था।

अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि सीसीटीवी फुटेज में कैद हिंसा की तस्वीरों से बने पोस्टरों को आरोपियों की पहचान करने में मदद के लिए विभिन्न स्थानों पर लगाया गया है। अपर पुलिस अधीक्षक (एएसपी) श्रीश चंद्र ने संवाददाताओं को बताया कि सीसीटीवी में दिख रहे लोग सीधे तौर पर हिंसा में शामिल थे। उनकी पहचान की पुष्टि होनी बाकी है, इसलिए उन्हें पहचानने में जनता की मदद लेने के लिए पोस्टर लगाए गए हैं। उन्होंने कहा कि इन 74 उपद्रवियों की पहचान करने के लिए विश्वसनीय सुबूत देने वाले मुखबिरों को नकद पुरस्कार दिया जाएगा।

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र भानपुर में भ्रष्टाचार को लेकर बजरंग दल ने सौंपा ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

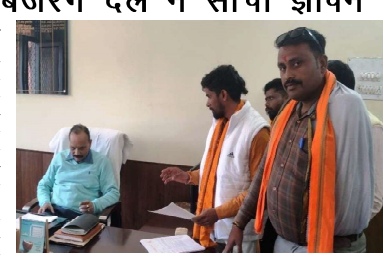

बस्ती। शुक्रवार को बजरंग दल के जिला संयोजक मनमोहन त्रिपाठी के नेतृत्व में पदाधिकारियों ने मण्डलायुक्त को सम्बोधित ज्ञापन अपर आयुक्त को सौंपा। मांग किया कि सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र भानपुर में व्याप्त भ्रष्टाचार की जांच कराकर दोषियों के विरूद्ध कार्रवाई हो जिससे मरीजों को स्वास्थ्य सेवाओं का बेहतर लाभ मिल सके।

ज्ञापन में 9 सूत्रीय ज्ञापन में कहा गया है कि इसके पूर्व भी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र भानपुर में व्याप्त भ्रष्टाचार को लेकर जिलाधिकारी को अवगत कराया गया था किन्तु कोई कार्रवाई न होने से भ्रष्टाचारियों का मनोबल और बढ गया है। ज्ञापन में मेडिकों लीगल के नाम पर दो से तीन हजार रूपये लिये जाने, डाक्टर द्वारा बाहर की दवा लिखे जाने, मरहम, पट्टी, ग्लूकोज, इंजेक्शन लगाने के नाम पर वसूली करने, जनरेटर नहीं चलता फिर भी डीजल का पैसा निकाल लिये जाने, चिकित्सक रात्रि में नहीं रूकते, इसकी व्यवस्था कराने, डा. सचिन चौधरी के आय की जांच कराकर उनका यहां से स्थानान्तरण किये जाने आदि की मांग शामिल है। बजरंग दल नेताओं ने चेतावनी दिया कि यदि मांगे न मानी गई तो वे धरना प्रदर्शन को बाध्य होंगे।

–कार्रवाई न हुई तो दिया धरने की चेतावनी

ज्ञापन सौंपने वालों में स्नेह पाण्डेय, धर्मेन्द्र कन्नौजिया, राहुल कुमार, सोनू चौहान, अनिल प्रजापति आदि शामिल रहे।

विश्व हिन्दू महासंघ युवा मोर्चा ने सौंपा ज्ञापनः अधिशासी अभियन्ता के विरूद्ध कार्रवाई, लाइनमैन के बहाली की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । शुक्रवार को विश्व हिन्दू महासंघ युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष सौरभ तिवारी ने जिलाधिकारी को सम्बोधित ज्ञापन प्रशासनिक अधिकारी को सौंपा। मांग किया चन्दन तिलक लगाकर कार्यालय जाने वाले लाइनमैन गिरीश चन्द्र त्रिपाठी को तत्काल प्रभाव से बहाल किया जाय।

ज्ञापन देने के बाद प्रेस को जारी विज्ञप्ति के माध्यम से विश्व हिन्दू महासंघ युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष सौरभ तिवारी ने बताया कि अधिशासी अभियन्ता तबरेज अहमद ने गिरीश चन्द्र त्रिपाठी को इस कारण से निलम्बित कर दिया क्योंकि वे तिलक चन्दन लगाकर उनसे मिलने गये थे। तबरेज अहमद ने उनकी धार्मिक भावनाओं को आहत करने वाली बातें कहीं। मां बहन की गालियां देते हुये खदेड दिया, कहा कि मैं तुमको शराब पीने के झूठे आरोप में फंसाकर निलम्बित कर दूंगा। तबरेज अहमद ने 11 फरवरी को संतकबीर जनपद के 132 के.वी. उप केन्द्र खलीलाबाद में तैनात गिरीश चन्द्र त्रिपाठी को अकारण आरोप लगाकर निलम्बित कर दिया। विश्व हिन्दू महासंघ के सौरभ तिवारी ने मांग किया कि पुरानी बस्ती थाना क्षेत्र के गिदही खुर्द निवासी लाइनमैन गिरीश चन्द्र त्रिपाठी को बहाल करने के साथ ही हिन्दू धर्म को लेकर दूषित मानसिकता रखने वाले अधिशासी अभियन्ता तबरेज अहमद के विरूद्ध विभागीय कार्यवाही कराया जाय।

समाजवादियों ने 6 सूत्रीय मांगों को लेकर राज्यपाल को भेजा ज्ञापनःगन्ना मूल्य 100 रूपया प्रति क्विंटल बढाने की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । शुक्रवार को समाजवादी पार्टी पदाधिकारियों, जन प्रतिनिधियों ने समाजवादी पार्टी जिलाध्यक्ष और बस्ती सदर विधायक महेन्द्रनाथ यादव के नेतृत्व में गन्ना किसानों सहित 6 मांगों को लेकर जिलाधिकारी के प्रशासनिक अधिकारी के माध्यम से राज्यपाल को ज्ञापन भेजा।

6 सूत्रीय ज्ञापन में गन्ना मूल्य में 100 रूपया प्रति क्विंटल बढोत्तरी किये जाने, अयोध्या के मसौधा चीनी मिल अन्तर्गत बस्ती जनपद के गन्ना क्रय केन्द्रों पर लगातार सड़क डायवर्जन होने के कारण तौल न होने से किसानों को भारी नुकसान हो रहा है, ऐसे में वैकल्पिक व्यवस्था कर गन्ना मसौधा चीनी मिल को भेजा जाय या बस्ती के गन्ना क्रय केन्द्रों को जनपद के किसी भी चीनी मिल से जोड़कर तौल कराया जाय। ज्ञापन में कहा गया है कि जनपद में कानून व्यवस्था ध्वस्त है, थानों पर लूट मची है, चोरी, डकैती, हत्या की बढती घटनाओं पर अंकुश लगाने के साथ ही घटनाओं का पर्दाफांश कराकर पीड़ितों को न्याय दिलाया जाय, जल जीवन मिशन के तहत पानी की टंकी बनवाया गया है और पाइप लाइन से कनेक्शन भी दिया गया है किन्तु अनेक गावों में अभी तक पेयजल की आपूर्ति नहीं हो सकी है। जहां चालू है वहां लीकेज की समस्या है। इसे ठीक कराया जाय और जो सड़के क्षतिग्रस्त हो गई हैं उसकी मरम्मत कराया जाय, किसानों की फसलों को आवारा पशुओं से बचाकर महिलाओं के प्रति बढते अपराधों को रोकने की दिशा में प्रभावी कदम उठाया जाय।

ज्ञापन देने के बाद समाजवादी पार्टी जिलाध्यक्ष और बस्ती सदर विधायक महेन्द्रनाथ यादव ने कहा कि जनपद के किसान, नौजवान परेशान है। थानों पर गरीबों को न्याय नहीं मिल पा रहा है और गन्ना किसान परेशान हैं। ऐसी स्थिति में समस्याओं का प्रभावशाली ढंग से निस्तारण कराया जाय। यदि समस्याओं का समाधान न हुआ तो सपा निर्णायक आन्दोलन को बाध्य होगी। राज्यपाल को 6 सूत्रीय ज्ञापन भेजने के दौरान मुख्य रूप से विधायक राजेन्द्र चौधरी, कविन्द्र चौधरी 'अतुल', चन्द्रभूषण मिश्र, जावेद पिण्डारी, मो0 स्वालेह, समीर चौधरी, मो0 सलीम, अरविन्द सोनकर, यूनुस आलम, प्रशान्त यादव, मखूबन यादव, वीरेन्द्र चौधरी, राजेन्द्र चौरसिया, जर्सी यादव, संजय कुमार गौतम, राहुल सिंह, अजीत सिंह, कौशलेन्द्र प्रताप सिंह, एबादुल हक, अरूणेश यादव, लालजी चौहान, विवेक शुक्ल, विपिन कुमार त्रिपाठी, अजय यादव, गीता भारती, आयुष पाण्डेय, प्रिया श्रीवास्तव, रन बहादुर यादव, तूफानी यादव, भोला पाण्डेय, दिनेश तिवारी, राम प्रकाश चौधरी, मंशाराम कन्नौजिया, उर्मिला मिश्रा, शकुन्तला चौरसिया, रागिनी गौड़, हरीश, गुलाम गौस, घनश्याम यादव, सुशील यादव, कुलदीप मौर्य, राजदेव प्रसाद, निजामुद्दीन, बबिता गौतम, जोखूलाल यादव, अंशुल पटेल, कक्कू शुक्ल, रघुनन्दन राम साहू के साथ ही सपा के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता शामिल रहे।

-कानून व्यवस्था ध्वस्तः थानों पर नहीं हो रही है गरीबों की सुनवाई-महेन्द्रनाथ यादव

3600 श्रद्धालुओं को महाकुंभ त्रिवेणी स्नान कराने का माध्यम बने विधायक अजय सिंह

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। हर्रैया विधायक अजय सिंह के नेतृत्व में श्रद्धालुओं को धर्म और आस्था से जोड़ने के संकल्प के तहत निःशुल्क रामलला दर्शन और महाकुंभ स्नान तीर्थ यात्रा लगातार जारी है। इसी क्रम में शुक्रवार को हर्रैया विधानसभा के लगभग 3600 तीर्थयात्री 60 बसों के माध्यम से हरैया विधानसभा के रामजानकी मार्ग स्थित रूपगढ से रवाना हुए। विधायक ने यात्रा को झंडी दिखाकर रवाना किया और सभी श्रद्धालुओं को मंगलमय यात्रा की शुभकामनाएं दीं। विधायक ने यात्रा के लिए आवश्यक वस्तुओं का वितरण भी श्रद्धालुओं में किया। विधायक ने कहा इस भव्य यात्रा का उद्देश्य जन–जन को धर्म, संस्कृति और आस्था से जोड़ते हुए प्रभु श्री रामलला के दर्शन एवं महाकुंभ स्नान का पुण्य लाभ दिलाना है। यात्रा में शामिल श्रद्धालु पवित्र संगम स्नान करेंगे और श्री राम लला दर्शन अयोध्या धाम दर्शन कर आध्यात्मिक लाभ प्राप्त करेंगे। कहा कि हमारी संस्कृति और आस्था की यह यात्रा सिर्फ एक धार्मिक अभियान नहीं, बल्कि समाज को जोड़ने और संस्कारों को आगे बढ़ाने का एक प्रयास है। कहा कि क्षेत्र वासियों के लिए यह सुविधा महाकुम्भ के अंतिम स्नान महाशिवरात्रि तक जारी रहेगी।

इस अवसर पर कृष्ण कुमार सिंह, रघुनाथ सिंह, अखिलेश सिंह, अर्जुन सिंह, परशुराम वर्मा, मुक्ति नाथ वर्मा, बृजेश मिश्रा, राम मणि मिश्रा, पंकज मिश्रा, रमाकांत सिंह, सरोज मिश्र बाबा, अखिलेश सिंह, शिव प्रसाद सिंह, भगौती गुप्ता, सन्तोष सिंह, अंतेश सिंह, मनोज सिंह, बड़े सिंह, परवीन कुमार, अंबुज, सुरेन्द्र सिंह, धर्मेन्द्र सिंह, गिरिजेश बहादुर सिंह, विवेक कान्त पाण्डेय, मनीष पाण्डेय, वेद प्रकाश मिश्र, संदीप सिंह, अविनाश सिंह, आनंद सिंह डेविड, आदित्य सिंह, रमा शंकर सिंह, अरुणेंद्र सिंह, आशीष सिंह, मन्नी सिंह, अनिल सिंह, नन्दलाल, राजेश सिंह, श्रीराम सिंह, सुरेश सिंह, बेचू सिंह, ज्ञान विक्रम सिंह, धन प्राप्त वर्मा, लाल बहादुर, अजय कुमार, राधे सिंह, अमन पाण्डेय, बब्बू, संतोष, मोहन मिश्रा, लल्ला दूबे, मंगरू यादव, राजेश सिंह, पंकज, राजन पाण्डेय, विनोद गुप्ता, मुन्ना सिंह, संदीप, राजू, नन्दलाल सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता, समाजसेवी एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 15 फरवरी 2025 शनिवार

सम्पादकीय

खैरात को खरी—खरी

देश में विभिन्न चुनावों से पूर्व लगातार मुफ्त की योजनाओं के ऐलान पर कठोर टिप्पणी करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने नीति—नियंताओं से सवाल किया है कि कहीं हम परजीवियों का एक वर्ग तो नहीं बना रहे हैं? अदालत की चिंता की हकीकत पर मोहर लगाते हुए बुधवार को सी.आई.आई/साऊथ ग्लोबल लिंकेज समिट में लार्सन एंड टुब्रो के चेयरमैन एस.एन. सुब्रह्मण्यम ने कहा कि सरकारी मुफ्त स्कीमों के कारण निर्माण उद्योग में मजदूरों की कमी हो रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि वेल्फेयर स्कीमों से आराम की उपलब्धता के कारण निर्माण से जुड़े श्रमिक काम करने से कतरा रहे हैं। यह भी कि दुनियाभर में बड़ी संख्या में लोग काम की तलाश में पलायन कर रहे हैं, लेकिन भारत में लोग काम के लिये दूसरे शहरों में जाने के लिये तैयार नहीं हैं। सुप्रीम कोर्ट की चिंता इसलिए भी वाजिब है कि देश के अस्सी करोड़ से अधिक लोगों को मुफ्त राशन, विभिन्न वर्गों को नगदी हस्तांतरण, बिजली—पानी की मुफ्त योजनाओं के कारण कई राज्यों की सरकारों पर कर्ज का बोझ लगातार बढ़ रहा है। निश्चित तौर पर किसी विकासशील देश के लिये यह उत्साहजनक स्थिति नहीं है। यह भी हकीकत है कि जब किसी व्यक्ति को सुविधाएं आसानी से और मुफ्त मिलने लगें तो वह आलसी हो जाता है। साथ ही विकास की मुख्यधारा से भी कट जाता है। दरअसल, कल्याणकारी योजनाओं का मकसद नागरिकों के जीवन स्तर को सुधारना होता है। लेकिन यदि लोग काहिली की राह चुनने लगें तो यह देश हित में कदापि नहीं कहा जा सकता। एक आदर्श स्थिति तो यह होनी चाहिए कि सरकार अपने नागरिकों के लिये ऐसा कार्यशील वातावरण बनाये, जिससे देश के आर्थिक विकास में उनकी भूमिका सुनिश्चित हो। लेकिन दुर्भाग्य से हाल के वर्षों में वोट पाने का शॉर्टकट मुफ्त की रेवड़ियां बांटना हो गया है। वहीं गरीबी उन्मूलन एक सुविधाजनक राजनीतिक हथियार बना है। जिसके चलते चुनाव से पहले मुफ्त की घोषणाएं राजनीतिक फैशन बन गया है।

निस्संदेह, सुप्रीम कोर्ट की वह टिप्पणी तार्किक है कि वोट के लालच में राजनीतिक दल परजीवियों का एक वर्ग तैयार कर रहे हैं। काम के बदले अनाज व अन्य सुविधाएं देना तो तार्किक है, लेकिन मुफ्त का राशन व नकदी देना उचित नहीं है। कोरोना संकट में रोजगार के साधन सिमटने की वजह से मुफ्त अनाज समय की जरूरत थी, लेकिन इस योजना को लगातार नहीं चलाया जाना चाहिए। आखिरकार मुफ्त योजनाओं का बोझ आयकरदाताओं पर ही पड़ता है। जरूरतमंद लोगों में आत्मविश्वास जगाकर उन्हें राष्ट्र के लिये योगदान हेतु प्रेरित किया जाना चाहिए। देश की अदालत बार—बार राजनेताओं से ऐसी घोषणाओं से परहेज करने को कहती रही है, लेकिन राजनीतिक दलों पर इसका कोई असर नजर नहीं आता। देश में मनरेगा के तहत रोजगार दिया जाना बेरोजगारों के हित में एक सकारात्मक कदम था। लेकिन मुफ्त में राशन व नगदी देना लोगों को अकर्मण्य बनाने जैसा ही है। कहीं ऐसा तो नहीं है कि मनरेगा में लगातार कम होता पंजीकरण मुफ्त की योजनाओं का ही नकारात्मक प्रभाव हो। सरकारों को चाहिए कि रोजगार के नये—नये अवसर सृजित करें। मुफ्त देने के बजाय लोगों को स्वावलंबी और स्वाभिमानी बनाये। देश की तरक्की और विकास की दृष्टि से मुफ्त की योजनाएं घातक ही कही जा सकती हैं। जाहिर बात है कि यदि घर बैठे सब—कुछ आराम से मिलने लगेगा तो श्रमिक काम की तलाश में घर से क्यों निकलेंगे। निस्संदेह, मुफ्त की योजनाएं देश के विकास के लिये एक प्रतिगामी कदम ही है। यह भारतीय लोकतंत्र के हित में भी नहीं है कि मतदाता लेन—देन के आधार पर अपने मताधिकार का इस्तेमाल करने लगें। कालांतर वे इसे अपना अधिकार समझने लगेंगे। फिर उनकी आकांक्षाएं भी बढ़ने लगेंगी। फिर वे योग्य जनप्रतिनिधि का चयन करने के बजाय तात्कालिक आर्थिक लाभ को प्राथमिकता देने लगेंगे। निश्चित रूप से दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के लिये यह शुभ संकेत नहीं है। दुनिया में इससे भारतीय लोकतंत्र की अच्छी छवि कदापि नहीं बनेगी। नीति—नियंताओं को ऐसी रोजगार बढ़ाने वाली योजनाओं को प्रश्रय देना होगा जो नागरिकों को स्वावलंबी, स्वाभिमानी और कर्मशील बनायें।

बजट वृद्धि और स्वास्थ्य सेवायें

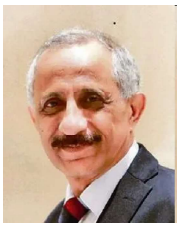

—राकेश कोछड़—

बजट में कई दवाओं की कीमतों में कटौती का प्रस्ताव किया गया है, जिसका सीधा फायदा नागरिक की जेब को होगा। कैंसर, अप्रचलित बीमारियों और अन्य पुराने रोग से पीड़ित मरीजों को राहत देने के लिए 36 जीवन रक्षक दवाओं को मूल सीमा शुल्क से पूरी तरह मुक्त कर दिया गया है।

केंद्रीय बजट 2025—26 के स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए प्रावधानों से चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान, कैंसर के इलाज का सामर्थ्य, अनुबंध कर्मियों को आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (पीएम—जेएवाई) के अंतर्गत लाने से लेकर चिकित्सा पर्यटन तक को बढ़ावा मिलेगा।

31 जनवरी को संसद में पेश किए गए आर्थिक सर्वेक्षण के मद्देनजर केंद्रीय बजट 2024—25 में भारत के स्वास्थ्य व्यय में 2020—21 में 3.2 लाख करोड़ रुपये के मुकाबले 2025 में 6.1 लाख करोड़ रुपये की वृद्धि की गई है। वर्ष 2022 में भारत का स्वास्थ्य व्यय सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 3.8 प्रतिशत रहा। 2015 और 2022 के बीच, रोगी की जेब से होने वाला खर्च 62.6 प्रतिशत से घटकर 39.4 प्रतिशत हो गया, जिसमें पीएम—जेएवाई ने निर्णायक भूमिका निभाई। सभी नागरिकों को एक समान स्वास्थ्य बीमा कवरेज प्रदान करने की गर्ज से पिछले साल पीएम—जेएवाई योजना के तहत 70 वर्ष से अधिक आयु के सभी लोगों को शामिल किया गया। सरकार ने अब इस योजना के तहत अनुबंध पर रखे कामगारों को भी शामिल करने का प्रस्ताव रखा है। यह कदम अनौपचारिक क्षेत्र के अनुमानित एक करोड़ श्रमिकों के लिए वित्तीय और स्वास्थ्य सुरक्षा सुनिश्चित करेगा, जिन्हें पहले कोई भी बीमा सुरक्षा उपलब्ध नहीं है। हालांकि, इसके लिए सरकार को यह सुनिश्चित करना होगा कि नियोक्ता अनुबंधित कारगारों का डाटा साझा करने में पारदर्शी हों।

स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए प्रस्तावित आवंटन पिछले वर्ष की तुलना में 9.7 प्रतिशत बढ़कर 99,858.56 करोड़ रुपये हो गया है, इसमें आयुष्मान भारत बुनियादी मिशन को 26 प्रतिशत की वृद्धि मिली है जबकि पीएम—जेएवाई के बढ़ते दायरे को ध्यान में रखते हुए 28.85 प्रतिशत का इजाफा किया गया है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर इंटरनेट सुविधा के प्रावधान का लाभ डिजिटल स्वास्थ्य और टेलीमेडिसिन सेवाओं को विस्तार देने में उठाया जा सकता है। हालांकि, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन को केवल 3.77 प्रतिशत की वृद्धि मिली है।

इसके बावजूद सेहत को मजबूत करने और बीमारी की रोकथाम पर अधिक जोर देने की आवश्यकता है। वित्त मंत्री ने आने वाले वर्ष में मेडिकल कॉलेजों में 10,000 अतिरिक्त सीटें और अगले पांच वर्षों में 75,000 सीटें बढ़ाने की घोषणा की है। पिछले 10 वर्षों में एमबीबीएस और स्नातकोत्तर सीटें दोगुनी से अधिक बढ़कर क्रमशः 1,18,137 और 73,157 हो गई हैं। हालांकि, अभी भी चिकित्सा शिक्षकों की कमी है और राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग शिक्षकों की संख्या और अनुभव के मानदंडों को घटाने में लगा है। स्नातक और स्नातकोत्तर सीटों के बीच भारी असमानता बनी हुई है।

निःसंदेह, विभिन्न विशेषज्ञताओं में सीटों की संख्या के लिए एक गतिशील नीति होनी चाहिए। उदाहरणार्थ, भारत को आने वाले वर्षों में कार्डियक सर्जनों की कम और ऑनकोलॉजिस्ट, इंटेंसिविस्ट और ट्रॉमा विशेषज्ञों की अधिक आवश्यकता पड़ेगी। देश को अधिक कुशलता वाली नर्सें, तकनीशियन जैसी अन्य सहायक जनशक्ति की भी आवश्यकता पड़ेगी। सरकार ने कैंसर मरीजों की मदद के वास्ते बड़ी पहल करने की योजना बनाई है। राष्ट्रीय कैंसर रजिस्ट्री कार्यक्रम रिपोर्ट—2020 के अनुसार, नौ में से एक व्यक्ति को अपने जीवनकाल में कैंसर होने की संभावना है। सरकार अगले तीन वर्षों में सभी जिला अस्पतालों में डे—केयर कैंसर केंद्र स्थापित करना चाहती है, जिसमें 2025—26 में 200 केंद्र स्थापित किए जाएंगे। ऐसे केंद्रों का उपयोग आमतौर पर कीमोथेरेपी के लिए किया जाता है। यह सुविधा कैंसर उपचार तक रोगी की पहुंच आसान करने में सहायक होगी, जो फिलहाल केवल बड़े अस्पतालों या मेडिकल कॉलेज जैसे उच्च केंद्रों पर उपलब्ध है। इस पहल के लिए पीपीपी मोड का उपयोग करने का प्रस्ताव है। हालांकि, प्रशिक्षित जनशक्ति, उन्नत इमेजिंग और कैंसर डायग्नोस्टिक्स जैसे बुनियादी ढांचे की कमी है।

बजट में कई दवाओं की कीमतों में कटौती का प्रस्ताव किया गया है, जिसका सीधा फायदा नागरिक की जेब को होगा। कैंसर, अप्रचलित बीमारियों और अन्य पुराने रोग से पीड़ित मरीजों को राहत देने के लिए 36 जीवन रक्षक दवाओं को मूल सीमा शुल्क से पूरी तरह मुक्त कर दिया गया है। छह अतिरिक्त जीवन रक्षक दवाओं पर अब 5 प्रतिशत का रियायती सीमा शुल्क लगेगा। स्थानीय कंपनियों को बढ़ावा देने के लिए उपरोक्त श्रेणियों की दवाओं के थोक निर्माताओं को भी रियायत दी जाएगी।

प्रस्तावित एक अन्य प्रमुख क्षेत्र चिकित्सा पर्यटन है। देश में विशेषज्ञ चिकित्सा पेशेवरों और बुनियादी ढांचे की उपलब्धता के साथ, भारत के कई निजी अस्पतालों में पहले से ही दक्षिण—पूर्व एशिया, अफ्रीका और पश्चिम एशिया से रोगी इलाज के वास्ते आ रहे हैं। अनुमान है कि दुनिया में हर साल तकरीबन 1.4 करोड़ लोग बेहतर चिकित्सा उपचार के लिए दूसरे देशों को जाते हैं। भारत में 35 से अधिक वैश्विक मामलों वाले अस्पताल जेसीआई (संयुक्त आयोग अंतर्राष्ट्रीय) द्वारा मान्यता प्राप्त हैं।

सरकार ने 2022 में निजी क्षेत्र के साथ साझेदारी को बढ़ावा देने के लिए एक चिकित्सा पर्यटन पहल, 'हील इन इंडिया' का प्रस्ताव रखा था। लेकिन यह योजना विशेष आगे बढ़ नहीं पाई।

बजट प्रस्तावों में सूक्ष्म, लघु एवं मध्य इकाइयों के लिए प्रस्तावित आवंटन से दवा उत्पादन के बुनियादी ढांचे को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। सरकार ने दवा उत्पादन से जुड़े उद्योगों के प्रोत्साहन मद के वास्ते 2,445 करोड़ रुपये रखे हैं। क्षेत्र—विशेष में निजी संस्थानों द्वारा संचालित अनुसंधान, विकास और नवाचार के लिए 20,000 करोड़ रुपये की पर्याप्त राशि निर्धारित की गई है। जैसा कि कोविड—19 महामारी के दौरान देखा गया था, दवा की खोज और उत्पादन के साथ—साथ चिकित्सा उपकरणों के निर्माण को भी स्वदेशी बनाने की आवश्यकता है। भारत को सटीक चिकित्सा, जीन थेरेपी और नूतन जैव विज्ञान पर जोर देते हुए चिकित्सा नवाचार को अगले स्तर पर जाने की जरूरत है।

अन्य उल्लेखनीय प्रस्तावों में मानसिक स्वास्थ्य के लिए धन आवंटन और बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं को पोषण प्रदान करने पर जोर देना शामिल है। चिकित्सा अनुसंधान के लिए आवंटन में 18.14 प्रतिशत की वृद्धि की गई है। बीमा क्षेत्र में 100 प्रतिशत विदेशी निवेश को मंजूरी देना एक स्वागत योग्य कदम है। हालांकि, निवारक स्वास्थ्य जांच के लिए कर छूट में बढ़ोतरी, बीमा पैकेज में आउट पेशेंट डायग्नोस्टिक्स को शामिल करना और स्वास्थ्य सेवा में जीएसटी को तर्कसंगत बनाना वे उपाय हैं, जिनकी जरूरत है। बजट प्रस्तावों में निजी क्षेत्र की बड़ी भूमिका की परिकल्पना की गई है। स्वास्थ्य सेवा कर्मियों की शिक्षा और कौशल विकास पर अधिक चर्चा होनी चाहिए। डिजिटल स्वास्थ्य रिकॉर्ड, टेलीमेडिसिन और एआई की पूरी क्षमता का अहसास होना चाहिए।

—लेखक पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ में गैस्ट्रोएंट्रोलॉजी विभाग के अध्यक्ष एवं प्रोफेसर रह चुके हैं।

आर्टिफिशल इंटेलिजेंस को लेकर खेमों में बंटी दुनिया

—कमलेश पाण्डेय—

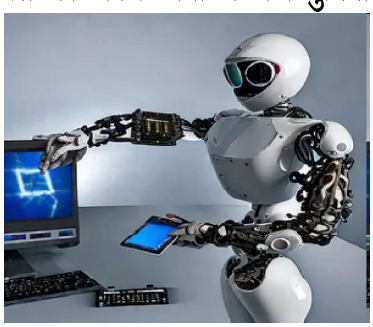

जब मौजूदा दशक में अस्तित्व में आए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से उत्पन्न व्यवहारिक चुनौतियों से निपटने के लिए समकालीन विश्व अमेरिका, यूरोप और चीन जैसे तीन मजबूत खेमों में बंट चुका है, तब भारत जैसे निर्गुट खिलाड़ी की भूमिका भी बढ़ जाती है और कुछ नई संभावनाएं भी पैदा होती हैं। इसलिए सवाल उठता है कि आर्टिफिशल इंटेलिजेंस को लेकर लगभग तीन खेमों में बंटी समकालीन दुनिया से आखिर कैसे तालमेल बिठायेगा भारत? जानकार बताते हैं कि अमेरिका और यूरोप के बीच एक भरोसेमंद पुल बनकर भारत अपनी भावी भूमिका निभा सकता है और इसकी वैश्विक जरूरत भी महसूस की जा रही है। चूंकि यूरोपीय संघ का अगुवा देश फ्रांस भारत का प्रगाढ़ मित्र है, इसलिए यह संभव भी है। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी इस अवसर को समझ चुके हैं और उसी के अनुकूल वर्तमान परिस्थितियों को तैयार भी कर रहे हैं।

जानकार बताते हैं कि साल 2023 में अस्तित्व में आई एआई को लेकर पहला शिखर सम्मेलन उसी वर्ष इंग्लैंड में, हुआ था, जबकि दूसरा शिखर सम्मेलन 2024 में दक्षिण अफ्रीका में, तीसरा शिखर सम्मेलन 2025 में फ्रांस में हुआ। वहीं, चौथा शिखर सम्मेलन 2026 में भारत में होगा, जिसकी मेजबानी के लिए भारत सरकार तैयार है। साथ ही मित्र देश फ्रांस ने भी इसका समर्थन किया है।

वहीं, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पूरी दुनिया को एआई यानी आर्टिफिशल इंटेलिजेंस के पूर्वाग्रहों से सावधान रहने की नसीहत भी दी है। इस तकनीक से नौकरियां जाने की आशंकाओं को खारिज करते हुए मोदी ने साफ कहा है कि इतिहास गवाह है कि तकनीक नौकरियां नहीं लेती। सिर्फ इसकी प्रकृति बदल जाती है और नई तरह की नौकरियां पैदा होती है। उन्होंने बताया कि इंसानों की रोजमर्रा की जिंदगी में एआई कितनी अहम भूमिका निभा रहा है। इसलिए उन्होंने इस तकनीक के फायदों को सभी से साझा करने की वकालत भी की है।

बता दें कि पेरिस में आयोजित ग्लोबल एआई समिट में बोलते हुए उन्होंने एआई के जिम्मेदार डिवेलपमेंट पर जोर दिया और इसके खतरों से निपटने के लिए वैश्विक सहयोग की बात की। पीएम ने दो टूक कहा कि एआई को ओपन सोर्स सिस्टम के माध्यम से डिवेलप किया जाना चाहिए, जिससे इसकी पारदर्शिता बढ़े और सभी देशों को इसका समान लाभ मिले। चूंकि एआई से रोजगार के कई नए क्षेत्र विकसित होंगे, इसलिए हमें लोगों को स्किलिंग और री—स्किलिंग पर ध्यान देना होगा। हम इस दिशा में बड़े स्तर पर निवेश कर रहे है।

वहीं, एक खास पहलू की ओर इशारा करते हुए उन्होंने कहा कि एआई इस सदी के लिए मानवता के कोड (व्यवस्था) लिख रहा है। इसलिए इसमें दुनिया बदलने की ताकत है। इस दिशा में भारत भी अपने एक्सपीरियंस और एक्सपर्टीज को जरूरतमंद देशों/लोगों के साथ साझा करने को तैयार है, ताकि सभी के लिए इसकी उपलब्धता सुनिश्चित करवाई जा सके।

बता दें कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पैरिस में ग्लोबल एआई समिट में फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों के साथ सह अध्यक्षता की और कहा कि एआई पर अगली ग्लोबल समिट भारत में होगी। वहीं, फ्रांस ने भी ऐलान किया कि एआई पर अगली ग्लोबल समिट भारत में ही होगी। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रन ने कहा कि एआई के डिवेलपमेंट को खुला और निष्पक्ष बनाने के लिए अमेरिकी उपराष्ट्रपति मोदी से सहमत दिखे।

वहीं, ग्लोबल समिट में अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की इस बात से सहमति जताई कि एआई को वैचारिक पूर्वाग्रह से मुक्त होना चाहिए और यह कभी इंसानों की जगह नहीं ले सकेगा। साथ ही उन्होंने वैश्विक नेताओं को आगाह किया कि एआई में बहुत ज्यादा नियम—कानून इस इंडस्ट्री की तेजी से बढ़ती संभावनाएं बाधित हो सकती हैं। वहीं, कुछ अन्य नेताओं ने इस बात की जोरदार वकालत की कि एआई पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नियमों की जरूरत है। साथ ही इसकी ग्लोबल रेस में यूरोप को तीसरा रास्ता अपनाने की दरकार है ताकि दुनिया को अमेरिका और चीन की कंपनियों पर निर्भरता से बचाया जा सके।

उल्लेखनीय है कि पेरिस में हुए दो दिवसीय एआई एक्शन समिट ने जहां आने वाले दौर के लिए एआई की अहमियत को रेखांकित किया है, वहीं आगे के रोड मैप को दुरुस्त करने के लिए यह भी साफ कर दिया है कि इस मामले में होड़ के बावजूद सभी देशों का आपसी तालमेल बनाए रखते हुए सावधानी से आगे बढ़ना जरूरी है। इस नजरिए से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रों के साथ इस शिखर बैठक की सह—अध्यक्षता करते हुए अगली शिखर बैठक की मेजबानी करने की पेशकश करते हुए यह जता दिया कि भारत इस पहल को कितनी गंभीरता से लेता है।

विपक्षी एकता के यक्ष प्रश्न

—सुरेश हिन्दुस्तानी—

राजनीति में कब क्या हो जाए, कुछ भी नहीं कहा जा सकता। इसलिए ही तो राजनीति को अनिश्चितता का खेल कहा जा सकता है। लेकिन जब राजनेता और राजनीतिक दल इस धारणा को तिलांजलि देते दिखाई देते हैं, तो उस अवस्था को अति आत्म विश्वास के भाव में व्यक्त किया जाता है। अति आत्मविश्वास का होना सदैव विनाशकारी और आत्म घातक माना जाता है। ऐसा ही दुखद अध्याय दिल्ली विधानसभा के चुनाव में स्पष्ट रूप से दिखाई दिया। इस चुनाव में आम आदमी पार्टी के नेताओं का व्यवहार निश्चित ही ऐसा होता जा रहा था, जो अति विश्वास को ही परिलक्षित करने वाला ही था। हालांकि किसी किसी भी चुनाव के दो पहलू होते हैं। किसी भी चुनाव क्षेत्र में केवल एक ही व्यक्ति विजय प्राप्त करता है, शेष सभी पराजित ही होते हैं। पराजय निश्चित रूप से गलती सुधारने का अवसर प्रदान करती है। आम आदमी पार्टी इस पराजय को अपनी भूल सुधार के लिए स्वीकार करेगी, यह होना चाहिए, लेकिन आम आदमी पार्टी के नेता ऐसा करने की मानसिकता में दिखाई नहीं देते। इसका कारण यही है कि उनमें राजनीतिक दल की सरकार को चलाने का अनुभव नहीं है। आम आदमी पार्टी के नेताओं का अभी भी यह मानना है कि उनकी पार्टी मात्र दो प्रतिशत के अंतर से हारी है, लेकिन उनको पता होना चाहिए कि एक प्रतिशत का अंतर भी राजनीति का दृश्य बदल सकता है। इसलिए यही कहा जा सकता है कि हार तो हार होती ही, उसके तर्क का सहारा लेकर मन को दिलासा दी जा सकती है, जीत नहीं मानी जा सकती।

वैसे विपक्ष को इसकी आदत सी हो गई है कि वह हार को आसानी से स्वीकार नहीं कर पाता। पिछले लोकसभा के चुनाव परिणाम आने के बाद भी ऐसी ही तस्वीर दिखाने का प्रयास किया गया कि विपक्ष ने मानो सरकार बनाने लायक जीत हासिल कर ली हो, लेकिन तस्वीर का असली चेहरा कुछ और ही था।

वर्तमान राजनीतिक उतार चढ़ाव का अध्ययन किया जाए तो यह कहना कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी कि कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी राजनीतिक दल सत्ता में आने के लिए एक होने की कवायद कर चुके हैं, लेकिन यह कवायद परवान नहीं प्राप्त कर सकी। लोकसभा चुनाव के समय इंडी गठबंधन बनाकर तमाम भाजपा विरोधी दलों ने कई राज्यों में एकता का दिखावा किया। लेकिन कई राज्यों के विधानसभा चुनाव के समय इंडी गठबंधन के दल एक साथ न होकर बिखरे हुए दिखाई दिए। अब आगे चलकर एकता के प्रयास किए तो जाएंगे, लेकिन वे एक साथ हो जाएंगे, इस बात की संभावना बहुत कम दिखाई देती है। सीधे अर्थों में कहा जाए तो विपक्षी एकता को कई बार झटके लग चुके हैं। दिल्ली विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी की हार विपक्ष की एकता के लिए एक और बड़ा झटका माना जा रहा है। कांग्रेस ने जिस प्रकार से आम आदमी पार्टी को सत्ता से बाहर करने का सुनियोजित षड्यंत्र किया, वह चुनाव परिणाम आने के बाद पूरी तरह से सामने आ गया। ऐसी स्थिति में अब कांग्रेस और आम आदमी पार्टी एक मंच पर आएंगे, इस बात की संभावना बहुत कम ही है। हालांकि कांग्रेस की ओर अपनाई गई यह रणनीति कोई नई बात नहीं है। कई दलों को ऐसा झटका मिल चुका है, स्वयं आम आदमी पार्टी ने हरियाणा में ऐसा ही राजनीतिक खेल खेलकर कांग्रेस को सत्ता में आने से रोक दिया था।

जहां तक विपक्षी एकता की बात है तो इसकी जड़ों में मट्ठा डालने का काम खुद इंडी गठबंधन या भाजपा विरोधी राजनीतिक दलों ने किया है। कई राज्यों में एक दूसरे के विरोध में ताल ठोकने वाले यह दिखावे की एकता वाले राजनीतिक दल आगे भी ऐसी ही नीति का अनुसरण करेंगे, इस बात की गुंजाईश ज्यादा दिखाई देती है। क्योंकि गठबंधन में शामिल होने का दावा करने वाले राजनीतिक दल किसी भी दल से पीछे रहने की मानसिकता में दिखाई नहीं देते। कांग्रेस भी इसी मानसिकता से ग्रसित दिखाई देती है। राज्यों तक प्रभाव रखने वाले क्षेत्रीय राजनीतिक दल कांग्रेस को बेहद कमजोर मानकर व्यवहार कर रहे हैं। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कई बार कांग्रेस को आईना दिखाते हुए व्यवहार किया है। ऐसी स्थिति में पश्चिम बंगाल में कांग्रेस और ममता बनर्जी की पार्टी एक साथ आकर पश्चिम बंगाल का विधानसभा चुनाव लड़ेंगे, दूर की बात दिखती है। दिल्ली में आम आदमी पार्टी ने भी कांग्रेस को जमीन दिखाने के प्रयास में खुद के लिए आत्म घाती रास्ता तैयार किया। यह बात सही है कि आम आदमी पार्टी के नेता अरविंद केजरीवाल अपने आपको कांग्रेस से बड़ा मानने लगे थे, इसलिए ही कांग्रेस से किनारा करके चुनाव मैदान में कूद गए, और पहली बार सत्ता से दूर हो गए। वर्तमान राजनीतिक स्थिति में कब क्या हो जाए, कुछ कहा नहीं जा सकता। इसलिए राजनेताओं को बड़े बोल बोलने से हमेशा बचना चाहिए। लेकिन अरविंद केजरीवाल यहां पर चूक गए। उन्होंने जिस प्रकार की भाषा का प्रयोग किया, वह उनके अहंकार का ही परिचायक कहा जा सकता है। अब केजरीवाल को स्वयं समझ जाना चाहिए कि व्यवहार ऐसा होना चाहिए, जो प्रिय लगे।

कहा जाता है कि क्षेत्रीय राजनीतिक दलों के उभार ने कांग्रेस का बंटाधार करने का ही काम किया है। कहीं कहीं यह भी सत्य है कि कांग्रेस के अप्रिय व्यवहार के चलते ही इन क्षेत्रीय दलों का गठन हुआ। इसलिए यह क्षेत्रीय राजनीतिक दल कांग्रेस के साथ मिलकर आसानी से चुनाव लड़ेंगे, यह उचित प्रतीत नहीं होता। कई राज्यों में यह भी दिखाई दिया कि जिन क्षेत्रीय दलों के साथ कांग्रेस ने समझौता किया, उन राज्यों में कांग्रेस तो डूबी ही, साथ में साथ आने वाले दलों को भी डुबा दिया।

शहादत की छठीं बरसी पर याद किए गए पुलवामा शहीद पंकज त्रिपाठी

संवाददाता–महराजगंज। जम्मू कश्मीर के पुलवामा में आतंकी हमले में शहीद जिले के लाल पंकज त्रिपाठी की शहादत की छठीं बरसी पर शुक्रवार को उनके पैतृक गांव हरपुर टोला बेलहिया स्थित शहीद स्मारक पार्क में श्रद्धांजलि कार्यक्रम हुआ। फरेंदा विधायक वीरेन्द्र चौधरी एवं जनप्रतिनिधि के अलावा अफसरों व सामाजिक संगठनों ने पहुंचकर श्रद्धांजलि दी। शहीद पंकज त्रिपाठी के पिता ओम प्रकाश त्रिपाठी, पत्नी रोहिणी त्रिपाठी, भाई शुभम त्रिपाठी एवं दोनों बच्चे प्रतीक व वान्या श्रद्धांजलि देने पहुंचीं तो उनकी आंखें भर आईं। इस दौरान शहीद पंकज अमर रहे... के नारों व देशभक्ति गीतों से बेलहिया गांव गूंज उठा। छह साल पहले 14 फरवरी के ही दिन पुलवामा के आतंकी हमले में सीआरपीएफ के जवान पंकज त्रिपाठी अपने साथियों के साथ शहीद हुए थे। तभी से हर बरसी पर उनके गांव में बने शहीद स्मारक पार्क में मेला लगता है। विधायक वीरेन्द्र चौधरी ने कहा कि देश की रक्षा के लिये जवान दिन और रात सेवा करते हैं। सेवा करते करते अपनी आहुति भी दे देते हैं। उन्होंने कहा कि शहीद पंकज त्रिपाठी की शहादत हमेशा याद रखी जायेगी। कहा कि शहीद के परिवार को उनकी जब भी आवश्यकता पड़ेगी वे हमेशा मौजूद रहेंगे। एसडीएम फरेंदा मुकेश कुमार, पूर्व विधायक चौधरी शिवेंद्र सिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष संजय पांडेय, नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि राजेश जायसवाल, पूर्व चौयरमेन महराजगंज कृष्ण गोपाल जायसवाल, एसएसबी के डिप्टी कमांडेंट अमरनाथ गुप्ता, एएसआईध् जीडी ग्रुप केन्द्र आई सीआरपीएफ प्रयागराज वरिष्ठ यादव, त्रिभुवन मिश्रा, आधारशिला के प्रबंधक राहुल कटियार, प्रधान शेखर यादव, डॉ. राम नरायन चौरसिया, संतोष पांडेय, थानाध्यक्ष फरेंदा प्रशांत पाठक, राहुल त्रिपाठी समेत तमाम लोगों ने शहीद को नमन किया।

पुलवामा हमले में शहीद पंकज त्रिपाठी को उनके पिता ओम प्रकाश त्रिपाठी, पत्नी रोहिणी त्रिपाठी, भाई शुभम त्रिपाठी, चचेरे भाई राहुल त्रिपाठी, शहीद के दो बच्चे बेटा प्रतीक व बेटी वान्या ने पिता की पुण्यतिथि पर उनको श्रद्धासुमन अर्पित किया। अन्य रिश्तेदारों ने भी श्रद्धांजलि दी। इस दौरान माहौल पूरा भावुक हो गया। उनके पिता ने बताया कि इस मेले का आयोजन जब तक वह जिंदा रहेंगे, तब तक करेंगे। कहा कि बेटा बुढ़ापे की लाठी होता है, लेकिन उसकी शहादत पर उन्हें गर्व है। शहीद की पत्नी रोहिणी त्रिपाठी ने कहा कि उनकी एक ही इच्छा है कि उनका बेटा भी आर्मी में नौकरी कर देश की सेवा करे। बेलहिया में शहीद पंकज त्रिपाठी की छठी बरसी पर शहीद पार्क में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बनकटी के चिकित्सक डॉ. मकबूल आलम, डॉ. अनिरुद्ध पांडेय, डॉ. आशमा तब्बसुम, गोपाल चतुर्वेदी, विनोद कुमार, आशीष यादव, सुभाष चौधरी की टीम ने तीन दर्जन से अधिक लोगों की जांच कर निःशुल्क दवा दी।

शहीद पंकज त्रिपाठी को उनकी छठीं बरसी पर शहीद स्मारक पार्क में फरेंदा विधायक वीरेन्द्र चौधरी, एसडीएम फरेन्दा मुकेश कुमार, एसएसबी डिप्टी कमांडेंट अमरनाथ गुप्ता, पिता ओम प्रकाश त्रिपाठी समेत दर्जनों लोगों की मौजूदी में फरेंदा थानाध्यक्ष की टीम ने सलामी दी।

शहीद पंकज त्रिपाठी की छठीं बारसी पर शहीद पार्क में सीआरपीएफ ग्रुप केन्द्र प्रयागराज से आए एएसआई वरिष्ठ यादव ने पहुंच कर शहीद की पत्नी रोहिणी त्रिपाठी को स्मृति चिह्न के रूप में उनकी फोटो दी। साथ ही शहीद पंकज त्रिपाठी प्राथमिक विद्यालय में फोटो भी लगाया।

सफाईकर्मियों को जाति सूचक गाली देकर पीटा, आक्रोशित कर्मियों ने कोतवाली का घेराव कर किया प्रदर्शन

संवाददाता–श्रावस्ती। शबे बारात पर बृहस्पतिवार को मस्जिदों पर अलाव के लिए लकड़ी गिराने गए नगर पालिका परिषद भिनगा के सफाई कर्मियों का मोबाइल छीन लिया गया। विरोध करने पर उन्हें जाति सूचक गाली देते हुए मारा पीटा। इसकी सूचना के बाद पहुंची कोतवाली पुलिस ने हल्की धाराओं में मामला दर्ज किया। नाराज सफाई कर्मियों ने शुक्रवार को भिनगा कोतवाली का घेराव कर प्रदर्शन किया। भिनगा कोतवाली पुलिस को दिए तहरीर में नगर पालिका कर्मी नगर के ही मोहल्ला मंगलभट्ठा निवासी धर्मेंद्र बाल्मीकि, विशाल डोम, विजय डोम, ट्रैक्टर चालक घनश्याम व कार्यालय सहायक दिनेश कुमार मिश्रा का आरोप था कि बृहस्पतिवार को वह शबे बारात त्योहार के दृष्टिगत नगर पालिका क्षेत्र के सभी मस्जिदों पर लकड़ी गिराने गए थे।जब सभी मंगल भट्ठा लकड़ी गिराने पहुंचे तो वहां मौजूद राजू उर्फ नदीम अहमद ने अपनी मोबाइल से वीडियो बनाना शुरू कर दिया। लकड़ी गिराने के बाद जब कर्मी मोबाइल से फोटोग्राफ लेने लगे तो राजू ने मोबाइल छीन लिया। इसका विरोध करने पर जातिसूचक गाली देते हुए राजू ने धर्मेंद्र, विशाल व विजय को मारा पीटा। मामले में पांचों कर्मियों की तहरीर पर कोतवाली पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया। लेकिन एससी एसटी की धारा न लगाने से नाराज नगर पालिका परिषद भिनगा के सभी सफाई कर्मियों ने शुक्रवार कोतवाली का घेराव कर प्रदर्शन शुरू कर दिया। इसके चलते वहां अफरातफरी का माहौल बन गया। इस बारे में प्रभारी निरीक्षक भिनगा भानु प्रताप सिंह का कहना है कि आरोपी राजू के विरुद्ध एससी एसटी एक्ट में अभियोग कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। उसे जेल भेजा जाएगा।

मछुआरों के सशक्तिकरण के लिए विशेष शिविर का हुआ आयोजन

संवाददाता–देवरिया। मछुआरों के सशक्तिकरण के लिए लार के मायापुर चूरियां में मत्स्य जीवी सहकारी समिति लिमिटेड के मुख्यालय पर एक विशेष शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें मछुआ दुर्घटना बीमा योजना, किसान क्रेडिट कार्ड योजना, प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के तहत मछुआरों का पंजीकरण किया गया। शिविर की अध्यक्षता करते हुए मुख्य कार्यकारी अधिकारी मत्स्य ने मछुआरों को विभिन्न सरकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी और उन्हें उनके अधिकारों एवं उपलब्ध सुविधाओं के बारे में जागरूक किया।

सड़क पर उतरे एसपी, भटवलिया में वाहनों की खुद की जांच

संवाददाता–देवरिया। जिले में चल रहे युवाओं के गैंग पर कार्रवाई को अब एसपी ने खुद कमान संभाल ली है। शुक्रवार को एसपी विक्रांत वीर शहर के भटवलिया चौराहे पर खुद वाहनों की चेकिंग की। वाहन चेकिंग के दौरान पुलिस का युवा वाहन चालकों पर विशेष नजर रही। पांच वाहनों को पुलिस ने जहां सीज कर दिया, वहीं 154 वाहनों का ई–चालान किया।

जिले में युवाओं का गैंग पुलिस के लिए सिरदर्द बन गए हैं। हाल के दिनों में पुलिस लार, बरहज, मदनपुर, तरकुलवा समेत विभिन्न थाना क्षेत्रों में अभियान चलाकर ऐसे गैंग पर कार्रवाई कर रही है। एसपी विक्रांत वीर, सीओ सिटी संजय कुमार रेड्डी बड़ी संख्या में पुलिस बल के साथ भटवलिया में वाहन चेकिंग करने लगे।

अचानक एसपी के सड़क पर वाहन चेकिंग के लिए उतरने के बाद खलबली मच गई। बिना हेलमेट के चल रहे वाहन चालकों को रोक कर पुलिस ने पहले समझाया और फिर वाहनों का चालान कर दिया। पांच युवाओं की बाइक पुलिस ने सीज कर दी। इनके साइलेंसर में बदलाव किए गए थे। लगभग सवा घंटे तक पुलिस की जांच चली।

स्टंटबाजी करने वाले पांच गिरफ्तार, चार बाइक भी बरामद

संवाददाता–देवरिया। स्टंटबाजी करने वाले व गैंग चलाने वालों पर पुलिस की लगातार सख्ती बढ़ती जा रही है। बरहज पुलिस ने स्टंटबाजी करने वाले पांच को पुलिस ने गिरफ्तार किया, जबकि चार बाइक भी बरामद की गई। बरहज थाना क्षेत्र में बाइक से स्टंटबाजी करने वालों को पुलिस ने चिन्हित किया और उन्हें शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया। जिसमें पप्पू यादव पुत्र दर्शन यादव निवासी जोगिया थाना मदनपुर, अमित कुमार यादव पुत्र राजेन्द्र यादव निवासी कृतपुरा थाना रूद्रपुर, निखिल कुमार पुत्र शैलेश प्रसाद निवासी करजहा थाना बरहज, अंकित कुमार गौतम पुत्र धर्मेन्द्र गौतम निवासी करजहा थाना बरहज व राज मिश्रा पुत्र अर्जुन मिश्रा निवासी डुमरी थाना भलुअनी शामिल हैं।

शहीदों का बलिदान याद रखेगा हिंदुस्तान –पवन मिश्र

संवाददाता–देवरिया। भाजपा किसान मोर्चा द्वारा पुलवामा आतंकी हमले की बरसी पर रामलीला मैदान स्थित शहीद स्मारक पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में किसान मोर्चा पदाधिकारियों ने शहीद स्मारक पर पुष्पांजलि कर हमले में शहीद हुए अमर जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित किया। इस दौरान जिलाध्यक्ष पवन कुमार मिश्र ने कहा कि पुलवामा आतंकी हमले में शहीद हुए अमर जवानों को पूरा देश नमन कर रहा है। उन्होंने कहा कि आने वाली पीढ़ी पुलवामा आतंकी हमले में शहीद हुए अमर जवानों की शहादत को सदैव याद रखेगी और देश के प्रति उनके शहादत और साहस को याद रखेगी। पूर्व मीडिया प्रभारी अम्बिकेश पाण्डेय ने कहा कि पुलवामा आतंकी हमले के शहीदों को देश युगों–युगों तक याद रखेगा। इस अवसर पर मुख्य रूप से अरुण कुमार मिश्र, विजय कुशवाहा, डॉ. विनोद पाण्डेय, राजू सिंह, शुभम त्रिपाठी, धनजी वर्मा, राहुल कुमार उपस्थित रहे।

नेपाल के काठमांडू में युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

संवाददाता–श्रावस्ती। श्रावस्ती निवासी युवक की नेपाल के काठमांडू में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। उसका शव शुक्रवार को गांव पहुंचा तो परिवार में चीख पुकार मच गई। खबर पाकर गांव के लोग एकत्र हो गए। ग्रामीण परेशान परिजन को ढांढस बंधाते रहे। घटना सोनवा थाना क्षेत्र के बैभी अकारा गांव की है। गांव निवासी भगतराम गांव के ही कुछ लोगों के साथ नेपाल के काठमांडू में रहकर मेहनत मजदूरी करता था। वहां बृहस्पतिवार को उसकी संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। इसकी सूचना साथियों ने फोन से परिजनों को दी।

मौके पर पहुंचे परिजन शुक्रवार को बहराइच के रुपईडीहा बॉर्डर से शव को एंबुलेंस से अपने साथ गांव लेकर आए। जहां उसका अंतिम संस्कार किया गया। वहीं युवक की मौत के बाद कोहराम मचा है।

फैशन शो में रैंप पर झूमा बचपन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

कलवारी, बस्ती। विकास क्षेत्र बहादुरपुर के अक्सडा में स्थित बीडी ग्लोबल एकेडमी में शुक्रवार को छात्र छात्राओं में रचनात्मक कौशल के उद्देश्य से फैशन शो का आयोजन किया गया। नन्हें बच्चे रंग–बिरंगे कपड़े पहने, रंगीन चश्मा लगाए मधुर संगीत की धुन पर मटकते हुए चल कर मेहमानों का अभिवादन करते हुए फैशन शो का हिस्सा बने। विद्यालय प्रबंधक ई. श्यामलाल चौधरी ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया फैशन शो का संचालन अर्चना पाण्डेय व शादाब अहमद ने किया। विद्यालय प्रधानाचार्य डॉ. अतुल त्रिपाठी ने आये हुए अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

आयोजित फैशन शो में विद्यार्थियों ने विभिन्न थीम्स के आधार पर आकर्षक पोशाकों में मंच पर अपनी प्रस्तुति दी, जो दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर गई। इस शो में मॉडलिंग, फैशन डिजाइनिंग और स्टाइलिंग के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला गया। विद्यार्थियों ने रंग–बिरंगे और आधुनिक फैशन कलेक्शन प्रस्तुत किए, जो इस आयोजन को और भी खास बना गए। आयोजित फैशन शो में नर्सरी से 5 तक के आरोही, उत्कर्ष कुमार, विवान गुप्ता, भानुजा, रेवांस पटेल, श्रेया यादव, दिवाकर, मोहम्मद रेयान, अंकुश, विवान, रूद्र, अवनी गुप्ता, शिवम, विजयलक्ष्मी, अनुष्का सक्सेना के साथ ही कुल 150 छात्र छात्राओं ने रैम्प पर कैटवॉक किया।

आयोजित कार्यक्रम के दौरान विगत दिनों में हुए अंतरराष्ट्रीय हिंदी ओलम्पियर्ड में गोल्ड मेडल प्राप्त किये विद्यालय के छात्र अनुज्ञाय पटेल, अमरीन, अनुष्का मौर्या व तेजस जायसवाल को पुरस्कृत किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रबंधक इंजीनियर श्याम लाल चौधरी ने बच्चों के बेहतर प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के आयोजन से आत्मबल के साथ ही रचनात्मक विकास होता है। कहा कि इस तरह का शो केवल एक फैशन इवेंट नहीं है बल्कि छात्र छात्राओं के लिए प्रेरणा और नवाचार का प्रतीक है। कहा कि कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को उनके व्यक्तित्व के विभिन्न पहलुओं को उजागर करने का अवसर प्रदान करने के साथ ही उन्हें आत्मविश्वास और टीमवर्क की भावना को बढ़ावा देना था। इस दौरान मुख्यरूप से दिनेश द्विवेदी, अखिलेंद्र यादव, सविता अग्रहरि, सचिन यादव, रचना पाण्डेय, अंजू पांडे, शीला पाण्डेय, शाइस्ता खातून, गौरव पाण्डेय, अनिल कुमार, अनूप मिश्र, सुधांशु यादव, लक्ष्मी वर्मा, जनार्दन उपाध्याय, दुर्गा प्रसाद, जयप्रकाश, जानकी, निशा चौरसिया, माधुरी, अनुज कुमार, जया कसौधन, शशि भारती, सचिन कुमार, जगराम यादव के साथ ही बड़ी संख्या में छात्र छात्राएं व अभिभावक उपस्थित रहे।

किसानों के लिए संकल्पित है सरकार –गिरीश चंद

संवाददाता–देवरिया। कृषि विज्ञान केंद्र मल्हना मझुआबारी के प्रांगण में एकदिवसीय कृषि मेला का आयोजन कृषि विभाग द्वारा शुक्रवार को किया गया। जिसमें जिले को तिलहनी उत्पादन के क्षेत्र में अव्वल बनाने पर जोर दिया गया। मेले में आए किसानों को कृषि वैज्ञानिकों द्वारा तकनीकी खेती की जानकारी दी गई।

मेले का उद्घाटन जिला पंचायत अध्यक्ष पंडित गिरीश चंद तिवारी द्वारा किया गया। उन्होंने कि सरकार किसानों के लिए संकल्पित है। सरकार अनेकों योजनाओं के माध्यम से किसानों को लाभ दे रही है। इस प्रकार के मेले में अधिक से अधिक किसानों को भाग लेकर इसका लाभ उठाना चाहिए ताकि शुद्ध तेल खाने के लिए उपलब्ध हो सके। भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा के जिला अध्यक्ष पवन मिश्रा ने भी किसानों को संबोधित किया।

किसान मेले में जिले के कृषि उपनिदेशक सुभाष मौर्य द्वारा जिले में तिलहन उत्पादन बढ़ाने के लिए चलाई जा रही योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। कृषि विज्ञान केंद्र के अध्यक्ष डॉ मांधाता सिंह ने कहा कि विश्व में तिलहन उत्पादन में भारत का दूसरा स्थान है। उत्तर प्रदेश भी देश में अग्रणी राज्यों में शामिल है , देवरिया जनपद को तिलहन उत्पादन में अग्रणी जिला बनाना है इसके लिए कृषि विज्ञान केंद्र एवं कृषि विभाग लगातार प्रयासरत है। किसानों के पास नई–नई तकनीकियों को पहुंचाने का काम कर रहा है। कृषि विज्ञान केंद्र के सस्य विज्ञान विशेषज्ञ डॉ कमलेश मीना ने किसानों को जायद में सूर्यमुखी की खेती पर विस्तार पूर्वक जानकारी दी। कार्यक्रम को डॉ अंकुर शर्मा, भूमि संरक्षण अधिकारी संतोष मौर्य, वीरेंद्र प्रताप सिंह एवं संरक्षण अधिकारी कुमारी इरम द्वारा भी संबोधित किया गया। संचालन सलाहकार दिव्या सिंह ने किया। इस अवसर पर मेले में भारी संख्या में किसान मौजूद रहे।

सुहागरात के बाद दुल्हन ननद के कमरे में घुसकर गहने लेकर हुई फरार

संवाददाता–महराजगंज। शादी के बाद ससुराल आई नई नवेली दुल्हन ने अगले दिन ही कांड कर दिया। दरअसल वह अपने और ननद के गहने लेकर फरार हो गई। उधर, ससुरालीजन उसे ढूंढते रहे लेकिन कोई पता नहीं चल सका। मायके वालों ने भी पल्ला झाड़ लिया। आखिर में बेबस पति को थाने जाना पड़ा और दुल्हन के खिलाफ केस दर्ज कराना पड़ा।

घुघली थाना क्षेत्र का है। एक युवक की शादी कोठीभार थाना क्षेत्र के हरपुर पकड़ी उर्फ घिउहा में तय हुई थी। बीते 7 फरवरी को धूमधाम से बारात गई। द्वारपूजा के बाद शादी की रस्म पूरी हुई। 10 फरवरी को गौना कराकर दुल्हन पहली बार ससुराल पहुंची। जहां घर की महिलाएं उसका रीति–रिवाज के साथ स्वागत कर सभी रस्म को पूरा करवाई। दूल्हा अभी दुल्हन का मुंह ठीक से देख भी नहीं पाया था कि अगले दिन 11 फरवरी की रात 8 बजे दुल्हन अपना पूरा जेवर व ननद के कमरे में भी रखा गहना समेट कर फरार हो गई। दुल्हा व परिवार की महिलाएं उसको ढूंढना शुरू कीं। जब दुल्हन का पता नहीं चला तो परिजन परेशान होकर उसको ढूंढना शुरू कर दिए। दूल्हा अपने ससुराल फोन किया जहां उन लोगों ने भी अपना पल्ला झाड़ लिया।

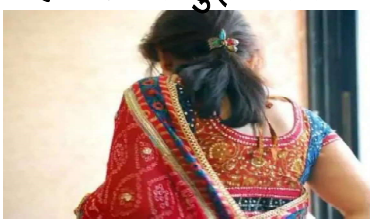

घुघली पुलिस को तहरीर देकर दूल्हा ने बताया कि उसकी शादी पर छह लाख रुपये खर्च हुआ थे। साढ़े तीन लाख के गहने दुल्हन को दिए गए थे। डाल में साड़ी व अन्य सामान भी गया था। शादी के तीसरे दिन विदा होकर आई दुल्हन पूरा जेवर लेकर फरार हो गई। दुल्हन के फरार होने की घटना को लेकर चर्चा है कि प्रेम प्रसंग में दुल्हन अपने प्रेमी के साथ फरार हो गई होगी। वहीं, इस मामले में थानाध्यक्ष कुंवर गौरव सिंह ने बताया कि क्षेत्र के एक गांव में शादी के बाद आई दुल्हन पर गहना लेकर फरार होने की शिकायत मिली थी। शिकायत के आधार पर दुल्हन के खिलाफ केस दर्ज कर जांच–पड़ताल की जा रही है। प्रेम–प्रसंग समेत सभी अन्य बिन्दुओं पर जांच जारी है। जल्द ही मामले का पर्दाफाश कर दिया जाएगा।

विद्यालय में मनाया गया मातृ–पितृ पूजन दिवसः दिया संदेश

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। शुक्रवार को संत श्री आशाराम जी विद्यालय श्री धर मेमोरियल शिक्षा निकेतन जयपुरवा में मातृ–पितृ पूजन दिवस का आयोजन किया गया। मां सरस्वती, शंकर, पार्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। विद्यालय के बच्चों ने अपने माता, पिता की आरती उतारी, उनको माला पहनाया, तिलक लगाया, उनकी सात बार परिक्रमा की। माता– पिता ने बच्चों को दुलारा, आशीष दिया और भाव विभोर होकर उन्हे गले लगा लिया। भारतीय संस्कृति से ओतप्रोत कार्यक्रम की सभी ने सराहना की। इस आयोजन का उद्देश्य पाश्चात्य संस्कृति से प्रेरित वेलेंटाइन डे को नकार कर भारतीय संस्कृति से बच्चों को परिचित कराना रहा ताकि बच्चे इससे प्रेरणा लेते हुए अपने माता–पिता का आदर कर सकें। मुख्य अतिथि प्रेस क्लब अध्यक्ष विनोद उपाध्याय ने कहा कि निश्चित रूप से यह आयोजन विशिष्ट है। भारत ऐसा देश है जहां वेलेंटाइन डे पर बच्चे माता–पिता का पूजन कर रहे है। यह कार्यक्रम संदेश देता है कि माता–पिता की सेवा करना,उन्हे आदर देना ही सही मायने में सच्ची आराधना है। कहा कि आज लोगों में माता– पिता को समय देने का अभाव है, वे अपनी ही दुनिया में व्यस्त है, ऐसे में जरूरत है कि लोग अपने बुजुर्ग माता– पिता को समय दें, उनकी बात सुनें और उनके मनोभावों को समझें। इस आयोजन की सराहना करते हुए आयोजकों को धन्यवाद दिया। कहा कि इस तरह के आयोजन बच्चों को उनकी संस्कृति और सरोकारों से जोड़ने में सहायक होंगे। कार्यक्रम का संचालन करते हुए विशाल श्रीवास्तव ने सनातन धर्म की परम्पराओं से लोगों को परिचित कराया। बताया कि संत आशाराम बापू द्वारा इस दिन को मातृ–पितृ पूजन दिवस के रूप में मनाने का जो संदेश दिया गया वह अनुकरणीय है। वर्ष 2012 से अनवरत विद्यालय में 14 फरवरी को मातृ–पितृ पूजन दिवस का आयोजन किया जाता है। बच्चों को बताया कि माता, पिता का आदर करने से सारे तीर्थो का फल मिलता है। माता, पिता और गुरू का स्थान सबसे सर्वोच्च है। बताया कि गणेश जी ने अपने माता, पिता भगवान शंकर और मां पार्वती की परिक्रमा कर देवताओं में सर्वोच्च हो गए। अपने माता, पिता को आदर देने, उनकी पूजा करने से बड़ा कोई भी पूजा नहीं है। प्रत्येक बच्चे और युवा को इसका अनुसरण करना चाहिए। इस दौरान प्रबन्धक बाबूराम केशरवानी, सत्यराम चौधरी, परशुराम वर्मा, गणेशदत्त पाण्डेय, संगीता मिश्रा, गीता उपाध्याय, शशिप्रभा, सजल श्रीवास्तव, अनामिका श्रीवास्तव, चंचल श्रीवास्तव सहित योग वेदान्त सेवा समिति से जुड़े सदस्य, अभिभावक, बच्चे मौजूद रहे।

खाद्यान्न पहुंचने के बाद नोडल अधिकारी करें सत्यापन –डीएम

संवाददाता–बहराइच। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित जिला स्तरीय सतर्कता समिति बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी मोनिका रानी ने जिला पूर्ति अधिकारी को निर्देश दिया कि उचित दर की दुकानों पर खाद्यान्न पहुंचने पर नोडल अधिकारी द्वारा सत्यापन करने के पश्चात राशनकार्ड धारकों को गल्ले इत्यादि का वितरण किया जाय। डीएम ने उप जिलाधिकारियों से कहा कि प्रत्येक माह वितरण समाप्ति के उपरान्त वितरण प्रमाण–पत्र तहसील स्तर पर एकत्रित किये जाएं।

ई–केवाईसी प्रगति की समीक्षा के दौरान पाया गया कि अब तक 73.84 प्रतिशत कार्य पूर्ण हुआ है। ई–केवाईसी में जनपद प्रदेश में 50वें स्थान पर है। डीएम ने जिला पूर्ति अधिकारी व उप जिलाधिकारियों को निर्देश दिया कि आधार अपडेशन सेन्टर का नियमित रूप से निरीक्षण कर अधिकाधिक कार्डधारकों के अपडेशन की कार्यवाही पूर्ण कर प्रगति में सुधार लाया जाय। अन्नपूर्णा भवन (मॉडल शाप) निर्माण कार्य की समीक्षा के दौरान बताया गया कि वित्तीय वर्ष 2024–24 के 55 तथा वर्ष 2024–25 अन्तर्गत 01 भवन का निर्माण पूर्ण हो गया है। शेष स्थानों पर भूमि का चिन्हांकन कर निर्माण कार्य प्रगति पर है। उचित दर दुकानों की समीक्षा में पाया गया कि जिले की 12 उचित दर दुकानें निलम्बित है। डीएम ने निर्देश दिया कि निलम्बित दुकाने के सम्बन्ध में अन्तिम निर्णय की कार्यवाही एक पक्ष के भीतर पूरी की जाय। मुख्य विकास अधिकारी मुकेश चन्द्र, अपर जिलाधिकारी गौरव रंजन श्रीवास्तव, मुख्य राजस्व अधिकारी देवेन्द्र पाल सिंह, जिला पूर्ति अधिकारी नरेन्द्र तिवारी आदि थे।

दोहरा हत्या कांडः फरार आरोपियों की गिरफ्तारी को पुलिस की दबिश

संवाददाता–देवरिया। बरवां उपाध्याय में दोहरे हत्याकांड में शामिल आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए शुक्रवार को पुलिस टीम ने पड़ोसी प्रांत बिहार के सिवान जनपद के कई स्थानों पर दबिश दी। हालांकि फरार आरोपी पुलिस के हाथ नहीं लग सके। उधर गांव में तनाव को देखते हुए नौवें दिन भी पुलिस तैनात रही। गांव में तेज गति से बाइक चलाने की बात को लेकर टोकने पर 6 फरवरी की रात में हुई मारपीट में गांव के दिनेश गुप्ता व तारकेश्वर गुप्ता की मौत हो गई थी। पुलिस ने दोहरे हत्याकांड में विनय यादव, उसके भाई विशाल यादव, मुकेश यादव, मनीष यादव और पिता रामगणेश यादव तथा कई अज्ञात को हत्यारोपी बनाया गया है। इस मामले में पुलिस ने मुकेश यादव, मनीष यादव व उसके पिता रामगणेश यादव समेत चार लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। जबकि नामजद आरोपी विशाल व विनय यादव की गिरफ्तारी पुलिस के लिए चुनौती बन गई है। पुलिस सूत्रों का कहना है कि घटना के बाद से ही दोनों के मोबाइल बंद हो गए हैं, जिसके चलते उनका लोकेशन नहीं मिल रहा है। इस मामले में कुछ लोगों को हिरासत में लेकर पुलिस पूछताछ भी कर रही है। एसओजी व पुलिस टीमों ने सिवान जनपद के विभिन्न स्थानों पर गिरफ्तारी के लिए दबिश दी, लेकिन उनकी गिरफ्तारी नहीं हो पाई। उधर गांव में सुरक्षा को लेकर पुलिस तैनात रही। थानाध्यक्ष दिग्विजय सिंह ने बताया कि चार आरोपियों को जेल भेजा जा चुका है। फरार अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है, जल्द ही उन्हें भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

आधी रात धू–धूकर जली रजाई–गद्दे की दुकान, सबकुछ राख

संवाददाता–महराजगंज। नौतनवा थाना क्षेत्र के गजरहा चौराहे पर देर रात अचानक एक रजाई–गद्दे की दुकान में आग लग गई। आधी रात लगी आग में धू–धूकर रुई, रजाई व गद्दे जलने लगे और लाखों के सामान पल भर में राख हो गए। अचानक दुकान से आग की लपटें देख आस–पड़ोस के लोगों में भगदड़ मच गई। देखते ही देखते मौके पर भारी भीड़ इकट्ठा हो गई। ग्रामीण आग बुझाने में जुट गए। सूचना पर पहुंची पुलिस एवं फायर ब्रिगेड की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। तब जाकर ग्रामीणों ने राहत की सांस ली। नौतनवा के परसौनी कला निवासी रामचंद्र गौड़ की गजरहा चौराहे पर रजाई गद्दे व रुई की दुकान है। बीते तीन दिनों से रामचंद्र दुकान बंद कर किसी काम से बाहर गए हुए थे। बुधवार की रात करीब 1 बजे अचानक आग की लपटें देख आस पड़ोस के लोगों ने दुकान मालिक को सूचित किया। शोर शराबा सुन ग्रामीण भारी संख्या में इकट्ठा हो गए और आग को बुझाने में जुट गए।

इस बीच सूचना पर पहुंची नौतनवा पुलिस एवं फायर ब्रिगेड की टीम भी बचाव में जुट गई। हालांकि आग पर तो काबू पा लिया गया, लेकिन पीड़ित के अनुसार तब तक दुकान में रखी 3 लाख से अधिक की रुई, 50 हजार का कपड़ा और करीब 18 हजार नगद जलकर राख हो गया। ग्रामीणों ने बताया कि बंद दुकान में आग लगने की वजह सामने नहीं आ सकी है।

दुकान में आग लगने की सूचना पर पहुंचे रामचंद्र गौड़ का हाल बेहाल हो गया था। प्रभारी निरीक्षक धर्मेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि आग लगने की सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई थी। फायर ब्रिगेड भी मौके पर पहुंच गई थी। आग तो बुझा लिया गया लेकिन दुकान में रखा सामान तब तक जल चुका था। आग लगने के कारणों को जानने की कोशिश की जा रही है।

बधाई मांगने को किन्नरों के दो गुट में हुई मारपीट

संवाददाता–देवरिया। बधाई मांगने को लेकर किन्नरों के दो गुट आपस में भिड़ गए। एक गुट ने रामपुर कारखाना और डुमरी चौराहे पर जमकर नारेबाजी की। मारपीट की घटना में दूसरे गुट के चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घंटे भर पंचायत के बाद दोनों पक्षों ने आपस में समझौता कर लिया। गुरुवार को किन्नरों का एक गुट रामपुर कारखाना कस्बा में बधाई मांग रहे थे। इसकी जानकारी किन्नरों के दूसरे गुट को हो गई। शुक्रवार की सुबह लगभग एक दर्जन चार पहिया वाहनों के साथ दूसरा गुट रामपुर कारखाना पहुंचा। दूसरे गुट ने पहले गुट को बधाई गीत नहीं मांगने का बात करते हुए नोंक झोंक शुरू कर दिया। थोड़ी देर बाद ही दोनों गुटों ने आपस में भिड़ंत कर ली और दूसरे गुट ने पहले गुट के किन्नरों की जमकर पिटाई कर दी। मारपीट में रूबी किन्नर समेत चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। इसके बाद दूसरा गुट के किन्नर पहले गुट के कुछ किन्नरों को पकड़ कर थाने लाए। दूसरे गुट के किन्नरों ने पुलिस के खिलाफ भी जमकर नारेबाजी की। थाना गेट पर हंगामा होते देख पुलिसकर्मी सकते में आ गए। इंस्पेक्टर जितेंद्र कुमार सिंह ने सूझबूझ का परिचय देते हुए किन्नरों को समझा कर शांत कराया। घंटे भर तक चली पंचायत के बाद किन्नरों के दोनों गुटों ने आपस में समझौता कर लिया।

ज्यादा नंबरो का दबाव नहीं, परिवार का साथ जरूरी– –प्रीती त्रिपाठी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। 10वीं और 12वीं के बोर्ड परीक्षा की तारीख करीब आ रही है।बच्चों को पढ़ाई की चिंता पूरे साल रहती है, पर बोर्ड परीक्षा का दबाव अलग ही रहता होता है।ज्यादा नंबर लाने का प्रेशर, दसरों से प्रतिस्पर्धा और भविष्य का आकलन पैरंट्स बोर्ड परीक्षा के नंबरों से तय करने लगतें हैं।क ई बार बच्चे इस तरह के दबाव से तनाव में आ जाते हैं और कुछ ऐसा कदम उठा लेते हैं ,जिसका अफसोस पैरंट्स को जिंदगीभर का दर्द दे जाता है। ऐसे में हम, स्टूडेंट्स को पढ़ाई के दबाव कम करने , सही ढंग से पढ़ने और पैरंट्स के ध्यान रखनें वाली तमाम बातें बता रहें हैं।

पैरंट्स के लिए– भविष्य का डर न दिखाए– पार्थिका मेंटल वेलनेस सेंटर की क्लीनिकल साइकोलाजिस्ट प्रीती त्रिपाठी के बताती हैं कि अक्सर आपने पैरंट्स को बच्चों से बात करते सुना होगा कि इस बार तुम्हें परीक्षा में अच्छे नंबर लाने होंगें। वे अपने बच्चे की तुलना दूसरे से करते है या उन्हे समाज का डर दिखानें लगतें हैं कि ज्यादा नंबर नहीं लाये तो अच्छी नौकरी नहीं मिलेगी ।हालांकि पैरंट्स को ये समझना चाहिए कि हर बच्चे की शारीरिक और मानसिक स्थिति अलग होती है।ऐसे में ज्यादा नंबर लाने का दबाव बनाया तो उसे तनाव में डाल सकता है।पैरंट्स को समझना होगा कि आपके बच्चे की कीमत नंबरों से कही ज्यादा अधिक है।आपको बस उन्हें पूरी ईमानदारी से मेहनत करने के लिए प्रोत्साहित करना होगा।इससे बच्चों में ये डर नही रहेगा कि अगर नंबर अच्छे नहीं आए तो मैं अपने पैरंट्स का सामाना कैसे करूंगा।

बच्चों के लिए समय निकालें।

बोर्ड परीक्षा में बच्चों को लगता है कि जितना ज्यादा घंटे पढ़ाई करेंगे, नंबर उतने अच्छे आयेंगे। ऐसा बात सोचने भर से उनके दिमाग पर बुरा असर पडता है।ऐसे में अभिभावक को उनका दोस्त बनना चाहिए। इसके लिए आप उनके साथ समय व्यतीत करें।उनकी समस्याओं को हल कराने में मदद करें।अपने बोर्ड परीक्षा में आप कैसे तैयारी करते थे, लोग आपको किन बातों से डराते थे , आपने उनका समाधान कैसे निकाला , इस तरह का अनुभव साझा करें।

खान–पान पर रखें विशेष ध्यान– बहुत से बच्चे परीक्षा के दबाव में ठीक से खानपीना बंद कर देते है या उनकी खुराक कम हो जाती है।इसका असर उनकी पढ़ाई पर पडता है। ऐसे में बच्चों खुराक में पर्याप्त मात्रा में ड्राइफूट्स, ताजे फल, हरी सब्जियों को सामिल करें।

स्टूडेंट्स के लिए –

तनाव को हावी ना होने दें– तनाव हमेंशा नुकसानदायक नहीं होता है।कुछ हद तक वह हमें मोटिवेट भी करता है।जो

बच्चा परीक्षा का बिल्कुल तनाव नही ले रहा है इसका मतलब कि उसका मन पढ़ाई में नहीं लग रहा है। कुलमिलाकर पढ़ाई का थोड़ा तनाव ठीक है, जो आपको एकाग्र होने के लिए प्रेरित करताहै, लेकिन ध्यान रहे वह किसी भी तरह से हावी न हो।

ब्रेक लेना आवश्यक है– वैज्ञानिक नियम है कि अगर आप पढ़ रहे हैंतो 45 मिनट के बाद एक 5 मिनट का ब्रेक लें।उस ब्रेक आप पानी पीयें। थोड़ा टहल लें।6 से 8 घंटें की नींद जरूर लें।

दिल्ली स्कूल ऑफ एक्सीलेंस बस्ती के बच्चों ने एक बार फिर लहराया सफलता का परचम

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती दिल्ली स्कूल ऑफ एक्सीलेंस बस्ती के हवेली खास स्थित विद्यालय के बच्चों ने जेईई मेन्स परीक्षा में अपना लोहा मनवाया। विद्यालय के 40 प्रतिशत मैथ्स स्ट्रीम के बच्चों ने 90 परसेंटाइल लाकर अपना और अपने विद्यालय का नाम रोशन कर दिया।

फिरदौस बेगम, वैभव वर्मा और हर्षित राज ने सर्वाधिक 98.5 परसेंटाइल लाकर एक अलग पहचान बनाई। विद्यालय प्रबंधक जेपी सिंह ने प्रिंसिपल गोपाल त्रिपाठी एवं शिक्षकों को मिठाई खिलाकर उनका मुहं मिठा किया।

कहा की अथक प्रयास और मेहनत का नतीजा है कि विद्यालय निरंतर अपने नए आयाम लिखते जा रहा है। सभी अध्यापको ने बच्चों और उनके अभिभावकों को बधाई दी।

वार्षिकोत्सव में सांस्कृतिक कार्यकमों की धूम

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सेंट जेवियर्स पब्लिक स्कूल रुधौली में वार्षिकोत्सव एवं अभिभावक महाकुम्भ का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि प्रभारी निरीक्षक विजय कुमार दूबे ने मां सरस्वती के चित्र पर चित्र समस्त दीप प्रज्वलित कर किया कार्यक्रम में शुभारंभ किया । कार्यक्रम में अभिनवी सिंह ने सरस्वती वंदना तथा रचना भारती की टीम द्वारा स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया । साक्षी पटेल की टीम द्वारा मार्णिकर्णिका डांस प्रस्तुत किया। जिससे लोगों ने खूब सराहा । वहीं जलवा डांस,आसामी डांस,सोलो डांस,फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता,होली डांस,डांडिया डांस सहित विभिन्न प्रोग्राम प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम में जाह्नवी, अनुष्का सिंह, विदुषी श्रीवास्तव, इशिका शरमा,अराध्या,तन्मय, अभिलाषा, सलोनी जयसवाल सहित आदि छात्र छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। विद्यालय के निदेशक सुशील पांडे ने आए हुए अतिथियों के प्रति आभार प्रकट किया। इस मौके पर प्रधानाचार्य मनोज कुमार त्रिपाठी, धर्मेंद्र कसौधन, योगेश्वर शुक्ला, शैलेंद्र त्रिपाठी, डा आरएस यादव,जितेंद्र कुमार, रीता सहित आदि लोग उपस्थित रहे।

राज मांटेसरी स्कूल का मना वार्षिकोत्सव

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। स्थानीय बाजार में स्थित राज मान्टेसरी पब्लिक स्कूल हीरागंज का वार्षिकोत्सव समारोहपूर्वक मनाया गया। समारोह में छात्र–छात्राओं ने अद्भुत कार्यक्रम प्रस्तुत कर उपस्थित दर्शकों का मन मोह लिया। इस दौरान मेधावी बच्चों को सम्मानित भी किया गया। छात्रों ने नशा मुक्ति के महत्व को उजागर करने के लिए नाटक का मंचन किया, जो सभी के लिए जागरूकता का संदेश रहा।

रामनगरी में श्रद्धालुओं ने पुलवामा के शहीदों को किया नमन, वैलेंटाइन डे पर किए रामलला के दर्शन

संवाददाता–अयोध्या। असम से श्रद्धालुओं का दल अयोध्या पहुंचा। रामलला के दर्शन के बाद श्रद्धालु वैलेंटाइन डे मनाने के लिए शहर के गुलाबबाड़ी पहुंचे। गुलाबबाड़ी में श्रद्धालुओं ने वैलेंटाइन डे मनाने के साथ ब्लैक डे के मौके पर पुलवामा में शहीद हुए जवानों को श्रद्धांजलि देकर उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना भी की। श्रद्धालुओं ने गुलाबबाड़ी में जय श्रीराम के नारे भी लगाए। असम की महिला श्रद्धालु ने बताया कि वे सभी प्रयागराज महाकुंभ में स्नान करने पहुंची थी। इसके बाद रामलला के दर्शन की इच्छा हुई तो अयोध्या पहुंच गए। अयोध्या में इच्छा के अनुरूप भव्य रूप से रामलला के दर्शन हुए और फिर मन में आया कि किसी पार्क में चलकर वैलेंटाइन डे का भी आनंद लिया जाए। इसके साथ ही पुलवामा में शहीद हुए जवानों को श्रद्धांजलि देने के साथ उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना भी की। इस दौरान अयोध्या में व्यवस्थाओं को लेकर असम के श्रद्धालुओं ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की भूरि भूरि प्रशंसा भी की। श्रद्धालुओं ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या में अच्छी व्यवस्था की है। कहीं भी श्रद्धालुओं को कोई दिक्कत नहीं हो रही है। सुगमता पूर्वक रामलला के दर्शन हो रहे हैं।

उद्घोषणा

थाना कप्तानगंज जिला बस्ती उ0प्र0 के मु0अ0सं0 148/24 धारा 306 BNS मे फरार चल रहे वांछित अभियुक्त मंतोष कुमार उर्फ मोहित जायसवाल पुत्र बदरी प्रसाद निवासी परसा बाजार थाना एकमा जिला छपरा बिहार राज्य ,के खिलाफ मा0 न्या0 JM द्वितीय बस्ती द्वारा दि0 03–03–25 को न्या के समक्ष उपस्थित होने हेतु धारा 84BNSS की उद्घोषणा जारी की गई है।

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
वाद सं0– 2237/22
D 202417140000471
धारा 30 उ0प्र0रा0संहिता2006
अदालत– श्रीमान अपर कलेक्टर/अपर जिला मजिस्ट्रेट बस्ती जिला बस्ती

प्रचन्द्र वीर सिंह आदि
बनाम
सरकार आदि

बावत मौजा घुरहूपुर तप्पा शिवपुर परगना बस्ती पूरव तहसील भानपुर जिला–बस्ती

1. सरकार उ0प्र0 जरिये कलेक्टर बस्ती 2. अखिलेश बहादुर सिंह पुत्र बेचू उर्फ बिजय बहादुर सिंह ग्राम व तप्पा शिवपुर परगना बस्ती पूरव तहसील भानपुर जिला–बस्ती

तारीख पेशी 03–03–2025

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 03 माह 03 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 13 माह 02 सन 2025 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
वाद सं0– 2345/2024
T 202417140102345
धारा 34 उ0प्र0रा0संहिता2006
अदालत– श्रीमान नायब तहसीदार सिकन्दरपुर हर्रैया बस्ती जिला बस्ती

सुरेश कुमार
बनाम
राम उग्रह

मौजा आमा/भौखरी तप्पा रतनपुर परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला–बस्ती

सुरेश कुमार पुत्र दुर्गा प्रसाद साकिना आमा तप्पा रतनपुर परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला–बस्ती

तारीख पेशी 17–02–2025

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 17 माह 02 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया। द0 हाकिम

ग्राम पंचायत इटबहरा विकास खण्ड गौर जनपद– बस्ती

अल्पकालीन निविदा

इच्छुक आपूर्तिकताओं को सूचित किया जाता है कि गौर विकास खण्ड के ग्राम पंचायत इटबहरा में 13.33 लाख की लागत से पंचायत भवन निर्माण किया जाना है। भवन निर्माण सामग्री आपूर्ति के लिये इच्छुक फर्मे निविदा दे सकती है। विस्तृत जानकारी के लिये ग्राम पंचायत इटबहरा के कार्यालय में विस्तार से जानकारी प्राप्त की जा सकती है। निविदायें 22 फरवरी 2025 तक प्राप्त की जायेंगी और 25 फरवरी को दिन में 11.30 बजे उसे खोला जायेगा। आपूर्तिकर्ता को शासन द्वारा निर्धारित मानक और नियमों का पालन करना होगा। निविदा को स्वीकार या अस्वीकार करने का अधिकार ग्राम पंचायत के पास सुरक्षित रहेगा।

ग्राम प्रधान – बंदना सिंह सचिव प्रशान्त पाण्डेय

ग्राम पंचायत इटबहरा जनपद– बस्ती

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
वाद सं0–
D 202417140002198
धारा 30 उ0प्र0रा0संहिता2006
अदालत– श्रीमान जिलाधिकारी / जिला मजिस्ट्रेट बस्ती जिला बस्ती

बेकारू
बनाम
ग्राम पंचायत

1. रजनीश पुत्र जगदम्बा 2. ब्रम्हादीन पुत्र शिवहरख 3. बुद्धिराम पुत्र बहरैची 4. राम बहादुर पुत्र रामसुरेमन निवासीगण मौजा डुहवा पाण्डेय तप्पा बनगवा परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला बस्ती

तारीख पेशी 21–02–2025

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 21 माह 02 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 14 माह 02 सन 2025 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब (आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद महोदय बस्ती जिला–बस्ती
मूलवाद सं0–408/2023

श्रीमती अंशिका देवी
बनाम
श्रीमती मुनिया देवी आदि

1. राम चन्दर 2. राजेश कुमार पुत्रगण सीताराम 3. श्रीमती रेशमा देवी पत्नी सीताराम साकिनान मौजा करहली बुजुर्ग तप्पा पिलाई परगना नगर पूरव तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 02–04–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 02 माह 04 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

वादकारियों की उपस्थिति के लिए कराएं नोटिस का दो बार तामीला –जिला जज

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। आठ मार्च को आयोजित होने वाले राष्ट्रीय लोक अदालत को यादगार बनाने के लिए जनपद न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अध्यक्ष राम सुलीन सिंह ने न्यायिक अधिकारियों के साथ बैठक कर आवश्यक निर्देश दिए। राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन जनपद न्यायालय परिसर, पारिवारिक न्यायालय, कलेक्ट्रेट, उपभोक्ता फोरम, समस्त तहसीलों एवं अन्य विभागों में आयोजन होगा। जनपद न्यायाधीश राम सुलीन सिंह ने न्यायिक अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि वादकारियों को न्यूनतम दो बार नोटिस प्रेषित कर तामीला कराएं जिससे वादकारियों की उपस्थिति सुनिश्चित हो सके।

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
वाद सं0–
धारा 30 उ0प्र0रा0संहिता2006
अदालत– श्रीमान जिलाधिकारी बस्ती जिला बस्ती

शाहिद हुसेन
बनाम
सरकार

1. मुजफ्फर हुसेन 2. गुलाम हुसेन 3. अमजद हुसेन पुत्रगण शमी मोहम्मद साकिन चिरई बुजुर्ग तप्पा छपिया परगना रसूलपुर तहसील भानपुर जिला–बस्ती 4. रामदेव पुत्र रामदुलारे साकिन महुआपार तप्पा छपिया परगना रसूलपुर तहसील भानपुर जिला–बस्ती 5. सुरेन्द्र कुमार पुत्र रामनरायन साकिन बैदौली उर्फ दुबौली तप्पा छपिया परगना रसूलपुर तहसील भानपुर जिला–बस्ती 6. श्रीमती साजिदा खातून पत्नी इकबाल साकिन असनहरा तप्पा छपिया परगना रसूलपुर तहसील भानपुर जिला–बस्ती 7. श्रीमती सफीकुनिशा पत्नी किताबुल्लाह साकिन बैदौली उर्फ दुबौली तप्पा छपिया परगना रसूलपुर तहसील भानपुर जिला–बस्ती

तारीख पेशी 24–02–2025

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 24 माह 02 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 14 माह 02 सन 2025 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

(हेतु सन्दर्शित करने की सूचना साधारण प्रारूप) (आर्डर 5 कायदा 3)
न्यायालय–श्रीमान अष्टम् अति0 सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0 70/1996

अनरूद्ध (मृतक)
बनाम
रामधीरज (मृतक) आदि

1/4/1 अनिल उम्र लगभग 30 साल 1/4/2 अजीत उम्र लगभग 25 साल 1/4/3 आदर्श उम्र लगभग 20 साल पुत्रगण राजेन्द्र 1/4/4 रेनू उम्र लगभग 22 साल पुत्री राजेन्द्र 1/4/5 दिप्पू उम्र लगभग 18 साल पुत्री राजेन्द्र 1/4/6 गीता देवी उम्र लगभग 50 साल पत्नी राजेन्द्र निवासीगण ग्राम नरोत्तमपुर तप्पा खुरियार परगना नगर पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती

तारीख पेशी 06–03–2025

चूंकि उपरीनामांकित ने इस न्यायालय में आवेदन किया है कि अतएवं आपके एतद द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप इसे आदेश के खिलाफ हेतु सन्दर्भित करने के लिये 2025 के माह 03 के 06 दिवस को 10.00 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या सम्पर्क रूपेण अनुर्दिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपस्थित हो और ऐसा न करने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा।

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज सन 20 के माह के दिवस को निकाली गयी।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
वाद सं0– 5349/23
धारा 116 उ0प्र0रा0संहिता2006
अदालत– श्रीमान उप जिलाधिकारी हर्रैया जिला बस्ती

भगवान दास आदि
बनाम
कृष्ण कुमार आदि

बावत मौजा इटवा तप्पा बनगवा परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला बस्ती

1. कृष्ण कुमार पुत्र पूद्दे निवासी ग्राम इटवा तप्पा बनगवा परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला बस्ती 2. ग्राम पंचायत इटवा द्वारा प्रधान इटवा तप्पा बनगवा परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला बस्ती

तारीख पेशी 21–02–2025

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 21 माह 02 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब (आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती
मूलवाद सं0–588/2024

चन्द्रभान आदि
बनाम
लालमन आदि

1. लालमन पुत्र अवधराज निवासी ग्राम मरौटी पाण्डेय तप्पा दुबौलिया परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला बस्ती

तारीख पेशी 05–03–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 05 माह 03 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

खेत में युवक का मिला शव, हत्या की आशंका

संवाददाता–गोरखपुर। चौरीचौरा थानाक्षेत्र के अवधपुर गढ़वा टोला में शुक्रवार की सुबह दस बजे गेहूं की खेत में एक 40 वर्षीय युवक का शव मिला। शव देखकर स्थानीय लोगों ने डायल 112 पर सूचना दिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। युवक के शरीर पर चोट के कई निशान है। उसके पैर व पीठ में चोट का निशान है। युवक की मुठ्ठी बंधी हुई थी। उसके नाक से खून भी निकला था। वह काला फुल जैकेट और लोवर पहना हुआ था। ऐसा लग रहा था कि उसे घसीटा गया है। उसकी पहचान नही हो पाई है। पुलिस उसके शिनाख्त में जुट गई है। सुबह अवधपुर निवासी मंतराज की पत्नी गेहूं के खेत में पानी चलाने जा रही थी। तभी वह खेत में शव देखकर शोर मचाई। सूचना डायल 112 पर दिया गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सड़क हादसे में बाइक सवार घायल

संवाददाता–गोरखपुर। गुलरिहा क्षेत्र के ग्राम बरगदही में फोरलेन सड़क पर मार्ग दुर्घटना में बाइक सवार युवक घायल हो गया। पुलिस ने घायल को मेडिकल कॉलेज भिजवाया। जानकारी के मुताबिक, शुक्रवार की शाम युवक बाइक से भटहट की तरफ जा रहा था। अभी वह बरगदही पहुंचा था कि वह स्कूटी से भीड़ गया। इससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। जेब में आधार कार्ड मिला, जिस पर कैंपियरगंज के बजहां निवासी प्रदीप लिखा था।

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब (आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद महोदय बस्ती जिला–बस्ती
मूलवाद सं0–197/2020

रामसभा चौधरी
बनाम
शाखा प्रबन्धक इण्डिया बैंक

1. शाखा प्रबन्धक इण्डिया बैंक निकट कटेश्वरपार्क गांधी नगर तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला बस्ती

तारीख पेशी 18–02–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 18 माह 02 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**

अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद

लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।

गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेलbhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com